आज का विचार

हमारी आधी मुश्किल उस समय हल हो जाती है जब हमारा कोई अपना कंधे पर हाथ रखकर कहता है चिंता मत कर मैं तेरे साथ हूं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | वीरवार, 7 मई, 2026 | वर्ष 24, अंक 109, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

अमृतसर और जालंधर में हुए बम धमाके, पंजाब में भाजपा के चुनावी तैयारियों का हिस्सा : भगवंत सिंह मान

बेअदबी विरोधी कानून पास होने के बाद भाजपा बौखलाई; अब बेअदबी तो नहीं कर सकती, तो धमाकों का ले रही है सहारा : मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
रोपड़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा को कड़े शब्दों में आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया कि चुनावों के मद्देनजर भाजपा द्वारा पंजाब में डर और हिंसा का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमृतसर और जालंधर में हाल ही में हुए बम धमाके, बेअदबी विरोधी कानून पास होने के बाद सूबे में अस्थिरता फैलाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हैं। पश्चिम बंगाल से तुलना करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए चुनाव वाले राज्यों में सांप्रदायिक तनाव, आतंक और अशांति पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि शांतिप्रिय पंजाबी कभी भी भगवा पार्टी को सियासी फायदे के लिए पंजाब की मुश्किल से हासिल की गई शांति को बर्बाद करने की इजाजत नहीं देंगे।

शुक्राना यात्रा के मौके पर मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "भाजपा चुनावों से पहले बंगाल की तर्ज पर पंजाब में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रही है, लेकिन पंजाब के लोग राजनीतिक तौर पर जागरूक हैं और ऐसी साजिशों के खिलाफ एकजुट हैं।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "हिंसा, फूट डालना और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण भगवा पार्टी की राजनीति का अभिन्न अंग है। भाजपा आगामी चुनाव जीतने के लिए बंगाल की तर्ज पर पंजाब में हिंसा और डर का माहौल बनाने की कोशिश कर रही है।" उन्होंने कहा कि भाजपा के नापाक मंसूबे पंजाब में कभी सफल नहीं होंगे क्योंकि पंजाब की जर्खेज (उपजाऊ) धरती पर कुछ भी उग सकता है, लेकिन यहां नफरत के बीज कभी नहीं उग सकते। 'आप' सरकार की शांति, एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हर पंजाबी दिन की शुरूआत सर्वभले की अरदास (प्रार्थना) से करता है। उन्होंने कहा कि पंजाब हमेशा से भाईचारे, प्रेम और उदारता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है और इस माहौल को नुकसान पहुंचाने वाली हर कोशिश का सरकार और लोगों द्वारा डटकर विरोध किया जाएगा।

सूबे में हाल ही में हुए बम धमाकों की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं भाजपा की संकीर्ण राजनीतिक सोच को दशार्ती हैं, जिसका उद्देश्य आतंक और दहशत का माहौल बनाकर समाज का ध्रुवीकरण करना और वोट हासिल करना है। उन्होंने कहा, "भाजपा द्वारा चुनाव वाले हर राज्य में चुनावी लाभ लेने के लिए यह फूट डालने वाली राजनीति की जा रही है। ये लोग पहले ही बेअदबी विरोधी कानून पास होने के कारण परेशान हैं और भाजपा सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और लोगों को आपस में लड़ाने के लिए बेअदबी की घटनाओं का फायदा उठाना चाहती है।" मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) अधिनियम, 2026 पास होने से ऐसी साजिशों को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "अब जब जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) अधिनियम, 2026 पास हो गया है, तो वे अपने नापाक मंसूबों को पूरा नहीं कर सकेंगे।

पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब के लोगों से, सूबे के सद्भावना को भंग करने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट और सचेत रहने का आान किया। उन्होंने कहा कि पंजाब की शांति की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है और भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार समाज के हर वर्ग की भलाई और खुशहाली के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है।

जालंधर में बीएसएफ कैंप व अमृतसर में सेना कंटोनमेंट कैंप के बाहर बम धमाके

लगातार दो शहरों में धमाके से दहशत का माहौल, सियासत गरमाई

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब के जालंधर व अमृतसर में मंगलवार रात दो बम धमाके हुए। पहला धमाका जालंधर में बीएसएफ कैंप के बाहर हुआ तो कुछ घंटों के अंतराल पर दूसरा धमाका अमृतसर कंटोनमेंट कैंट के बाहर हुआ। दोनों धमाकों में आईईडी के इस्तेमाल की आशंका जताई जा रही है। पंजाब पुलिस तथा बीएसएफ ने मामले की जांच शुरू कर दी है। धमाके की पहली घटना जालंधर में पीएपी चौक के पास बीएसएफ कैंप के बाह हुई। यह धमाका जिस एक्टिवा में हुआ वह बीएसएफ के पूर्व जवान कश्मीर सिंह (गांव गढ़ा) की है। उनका इकलौता बेटा गुरप्रीत सिंह कूरियर बॉय का काम करता है। वह रात को एक्टिवा खड़ी कर हेडक्वार्टर के अंदर पार्सल देने गया था। गुरप्रीत को पुलिस ने बीएसएफ हेडक्वार्टर में हिरासत में ले लिया है। घटना की सूचना मिलते ही जालंधर की पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। धनप्रीत कौर के अनुसार स्कूटी में आग लगने के बाद ही विस्फोट हुआ है। जानकारी मिली है कि स्कूटी पर दो युवक आए थे दोनों को पुलिस और सिक्योरिटी फोर्सेज ने हिरासत में रखा है। फॉरेंसिक टीमें जांच में जुटी हैं। डिलीवरी बॉय गुरप्रीत सिंह उर्फ क्रिस ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पार्सल देने नहीं बल्कि लेने आया था। एक्टिवा फुटपाथ पर खड़ी की और गेट पर पार्सल देने के लिए फौजी को कॉल किया। वह इंतजार कर रहा था, तभी एक युवक पास से निकला। कुछ देर बाद धमाका हो गया। रात में ही जांच एजेंसियां बीएसएफ से रिटायर्ड कश्मीर सिंह के गढ़ा स्थित सडक मोहल्ला पहुंचीं। यहां गुरप्रीत के बारे में जानकारी जुटाई गई। पता चला कि वह अपने ममेरे भाई को घर छोड़कर सीधे बीएसएफ चौक आया था। जांच के बाद टीम वापस लौट गई। इस घटना के कुछ घंटे बाद रात करीब 11.15 बजे अमृतसर के खासा स्थित आर्मी कैंप के बाहर बम धमाका हुआ। धमाके की सूचना के बाद सेना के आला अधिकारी तथा अमृतसर के एसएसपी देहाती सुहेल मीर भी पहुंचे। कई घंटे तक पुलिस ने अमृतसर में हुए धमाके की पुष्टि नहीं की। बुधवार तड़के जांच पूरी होने के बाद एसएसपी ने बताया कि खासा मार्ग पर खासा में कैंट एरिया की दीवार के बाहर धमाके की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी व्यक्ति ने बाहर से कुछ धमाके वाली वस्तु को अंदर फेंका है। टीन के साथ टकराकर धमाका हो गया। जिससे बीएसएफ कैंप का टीन शैड उड़ गया। एफएसएल की टीमों ने घटनास्थल से नमूने एकत्र कर लिए है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि धमाकों में किस तरह की सामग्री का इस्तेमाल किया गया है।

आप सरकार से नहीं संभल रहा है पंजाब जनता देगी जवाब : नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब में हुए बम धमाकों पर सियासत गरमा गई है। बम धमाकों को लेकर हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्री आमने-सामने हो गए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब सीएम भगवंत मान को घेरे हुए आरोप लगाया कि आप सरकार से पंजाब नहीं संभल रहा है, जनता जवाब देगी। पंजाब में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दौरों के बाद माहौल बदल रहा है। सीएम आवास संत कबीर कुटीर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह की अगुवाई में पंजाब के जिला मलोट से आए आप और अन्य दलों के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह अपना ह्लदिमागी संतुलन खो चुके हैंह्व और राज्य में हो रही घटनाओं पर गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं। सैनी ने जालंधर और अमृतसर में हाल ही में हुए बम धमाकों को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि यह केवल पंजाब ही नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि जहां एक ओर पंजाब पुलिस के डीजीपी इन घटनाओं के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की भूमिका की आशंका जता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री भगवंत मान इन संवेदनशील मामलों पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए सुरक्षा, स्थिरता और सुशासन के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी इसी दिशा में कार्य करती रहेगी। सैनी ने स्पष्ट शब्दों में कहा, ह्लमैं पंजाब के मुख्यमंत्री को बताना चाहता हूं कि राज्य में हो रही हर घटना के लिए आम आदमी पार्टी पूरी तरह जिम्मेदार है। आप इससे बच नहीं सकते। सैनी ने कहा कि पंजाब के लोग सरकार के ह्लगैर-जिम्मेदाराना रवैयेह्व को भली-भांति समझ रहे हैं और समय आने पर इसका जवाब भी देंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे जनता का भरोसा कमजोर होता है। सीएम आवास पर इस बीच, पंजाब के मलोट क्षेत्र से आए कई प्रमुख नेताओं और कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा है। सैनी ने सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा से जुड़कर उन्होंने विकास, सुशासन और राष्ट्रसेवा के संकल्प को मजबूत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन नेताओं का अनुभव और समर्पण संगठन को और मजबूत करेगा तथा जनसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी। भाजपा में शामिल होने वालों में मलोट के पूर्व विधायक बलदेव सिंह बल्लमगढ़, शिरोमणि अकाली दल से जुड़े परमिंदर सिंह पाशा (जिला प्रधान, एससी विंग एवं एमसी, श्री मुक्तसर साहिब), आम आदमी पार्टी के गुरसेवक सिंह साहिब चंद (जिला प्रधान, एक्स सर्विसमैन विंग) और युवा नेता करणवीर पाशा सहित कई अन्य शामिल हैं। इस अवसर पर पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता कुलदीप सिंह भंगेवाला भी मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने विद्यालयों में एसएमसी पर नए दिशा-निर्देश किए जारी, माध्यमिक स्तर तक विस्तार और पारदर्शिता पर खास जोर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए। इन दिशानिर्देशों में पहली बार माध्यमिक स्तर तक एसएमसी का विस्तार, एक महीने के भीतर गठन की अनिवार्यता और पारदर्शी कार्यप्रणाली जैसे कई अहम बदलाव किए गए हैं।

स्कूल प्रबंधन समिति के दिशानिर्देशों को जारी करते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए, हमारे देश में लगभग 15 लाख स्कूल हैं। इन सभी स्कूलों में, स्कूल प्रबंधन समिति छात्रों, शिक्षकों और समाज के बीच एक सेतु का काम करेगी। हम शिक्षा और स्कूल प्रबंधन को समाज के हाथों में सौंपने का प्रयास कर रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) को लेकर व्यापक संशोधित दिशा-निर्देश 2026 जारी किए हैं, जो पहले जारी सभी गाइडलाइंस को प्रतिस्थापित करेंगे।

नए निदेर्शों में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब एसएमसी केवल प्राथमिक स्तर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि कक्षा 12 तक के माध्यमिक विद्यालयों में भी लागू की जाएगी। इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन विकास समिति (एसएमडीसी) की जगह एसएमसी को लागू करने का प्रावधान किया गया है।

दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र शुरू होने के एक महीने के भीतर एसएमसी का गठन करना अनिवार्य होगा।

भारत-वियतनाम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, साथ जीतेंगे : मोदी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और वियतनाम के संबंध अब बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं और दोनों देश मिलकर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा, हम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, और साथ जीतेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम के बीच बुधवार को हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, कनेक्टिविटी और रणनीतिक सहयोग को नई गति देने का संकल्प संकल्प भी लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि राष्ट्रपति तो लाम का भारत दौरा दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों और आपसी प्राथमिकता को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी अब और ऊंचे लक्ष्यों की ओर अग्रसर होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-वियतनाम के बीच व्यापार पिछले दशक में दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। अब दोनों देशों ने इसे

2030 तक 25 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। दवाओं, कृषि, मत्स्य और पशु उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर सहमति बनी है। बहुत जल्द, वियतनाम भारत के अंगूर और अनार का और हम वियतनाम के डूरियन और पोमेलो का स्वाद लेंगे। दोनों देशों ने वित्तीय सहयोग बढ़ाने के तहत भारत के यूपीआई और वियतनाम के फास्ट पेमेंट सिस्टम को जोड़ने पर सहमति जताई। साथ ही एयर कनेक्टिविटी, स्टेट-टू-स्टेट और सिटी-टू- सिटी सहयोग को भी बढ़ाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत और वियतनाम तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं और नई रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से दोनों देश एक-दूसरे के विकास में सहायक बनेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंत में बुद्ध की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि एक-दूसरे के विकास में सहयोग करना ही दोनों देशों की साझा प्रगति का मार्ग है।

नेशन फर्स्ट केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय सैनिक की सांसों में बसने वाला संकल्प : योगी

सिटी दर्पण संवाददाता
लखनऊ

मुख्यमंत्री प्रयागराज में ह्यरक्षा त्रिवेणी संगम की थीम पर आधारित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम-2026 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि ह्यनेशन फर्स्ट केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय सैनिक की सांसों में बसने वाला संकल्प है। यह प्रत्येक भारतीय के जीवन का मंत्र होना चाहिए, क्योंकि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। यह हमारे लिए सर्वोपरि है। सियाचीन की जमा देने वाली ठण्ड, रेगिस्तान की तपती रेत, घने जंगलों के अंधकार, समुद्र और आकाश की अनन्त चुनौतियों में जहां जीवन ठहर जाता है, वहीं से हमारे सैनिकों का कर्तव्य शुरू होता है। सैनिकों के कदम जहां पड़ते हैं, वहीं से भारत की सीमाएं मजबूत होती हैं। हमारे सैनिकों की जागती हुई आंखों के कारण पूरा देश चैन की नींद सो पाता है।

मुख्यमंत्री जी प्रयागराज में ह्यरक्षा त्रिवेणी संगम की थीम पर आधारित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम (एन0टी0एस0)-2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रक्षा उपकरणों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक सैनिक राष्ट्र के प्रति समर्पित होता है। सैनिक जितना सतर्क व सजग रहता है, राष्ट्र उतना ही आनन्द की नींद सो पाता है। इन स्थितियों में राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि इस बेहतरीन समन्वय को हम आगे बढ़ाने में मदद करें।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के विजन को आज हम सभी इस त्रिवेणी की पावन धरा पर ह्यनॉर्थ टेक सिम्पोजियम के माध्यम से साकार होते देख रहे हैं। यह सिम्पोजियम टेक्नोलॉजी, नॉलेज व इनोवेशन के संगम को प्रस्तुत कर रहा है। इस आयोजन में उपस्थित सेण्ट्रल एण्ड नॉर्थ कमाण्ड के सभी सैन्य अधिकारी, इन्वेस्टर्स, एक्जीबिटर्स तथा अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों की विशेषज्ञता का लाभ देश प्राप्त करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ह्यत्रिवेणीं माधवं सोमं भारद्वाजं च वासुकिम्, वन्दे अक्षयवटं शेषं प्रयागं तीर्थनायकम्, अर्थात मैं त्रिवेणी (मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती के संगम), भगवान वेणी माधव, सोमेश्वर महादेव, ऋषि भारद्वाज और नागराज वासुकी की वंदना करता हूँ। अक्षयवट, शेषनाग और सभी तीर्थों के राजा प्रयाग को प्रणाम करता हूँ। महर्षि भारद्वाज के बारे में एक मान्यता है कि वह दुनिया के किसी विश्वविद्यालय के पहले कुलपति थे। उनका गुरुकुल इसी प्रयागराज में था। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019 के प्रयागराज कुम्भ के अवसर पर महर्षि भारद्वाज के आश्रम को पुनः स्थापित करने के दिशा में प्रयास किया। नागराज वासुकी ने देवासुर संग्राम में सकारात्मक अर्थात दैवीय शक्तियों की विजय में अपना योगदान दिया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रयागराज की पावन धरा प्राचीन काल से ही ज्ञान, आध्यात्मिक विरासत और न्याय की पावन त्रिवेणी के रूप में भी विख्यात रही है। ह्यअयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्, उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्, अर्थात भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रेरणा प्रदान की है कि यह अपना है और यह पराया है, ऐसी सोच छोटे मन (संकीर्ण सोच) वाले व्यक्तियों की होती है। उदार हृदय वाले लोगों के लिए तो सम्पूर्ण पृथ्वी ही एक परिवार है। उदारता हमारा संस्कार और करुणा हमारा स्वभाव है। परंतु हमें यह ध्यान रखना होगा कि जो सुरक्षित है वही समृद्ध है। उदारता की रक्षा के लिए शक्ति और सामर्थ्य चाहिए। राष्ट्र कवि दिनकर ने कहा था, ह्यक्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसको क्या जो दन्तहीन, विषरहित, विनीत, सरल हो।

इस अवसर पर सेण्ट्रल कमाण्ड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल श्री अनिंद्य सेनगुप्ता, नॉर्थ कमाण्ड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल श्री प्रतीक शर्मा, औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता ह्यनंदी, विशिष्ट स्ट्राइक वन कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल श्री वी0 हरिहरन, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण, एस0आई0डी0एम0 के वाइस प्रेसिडेंट श्री नीरज गुप्ता, आई0आई0टी0 कानपुर के प्रोफेसर ए0के0 घोष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डिग्री वितरण नहीं ज्ञान, संस्कृति और जिम्मेदारी के संगम का उत्सव : गुप्ता

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, शिक्षा और संस्कारों का अनूठा मेल

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने बुधवार को सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के द्वितीय दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। इस समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने इसे मात्र डिग्री वितरण कार्यक्रम न बताते हुए ज्ञान, संस्कृति और जिम्मेदारी के संगम का उत्सव बताया। उन्होंने स्नातक छात्रों से आह्वान किया कि वे केवल व्यक्तिगत करियर तक सीमित न रहें बल्कि अपने ज्ञान, नवाचार और नैतिक मूल्यों को विकसित भारत 2047 के निर्माण में समर्पित करें। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता का उनका आदर्श आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना स्वतंत्रता के समय था। विश्वविद्यालय परिसर में सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित करने के निर्णय की सराहना करते हुए उन्होंने भारत वल्लभ की अवधारणा को राष्ट्रीय दृष्टि का प्रतीक बताया। राज्यपाल ने छात्रों से एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की कम समय में हुई उल्लेखनीय प्रगति की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के चरणबद्ध क्रियान्वयन, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की स्थापना, पहले दीक्षांत समारोह का पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में आयोजन तथा विभिन्न शैक्षणिक समितियों के गठन को सराहनीय कदम बताया।

राज्यपाल ने छात्रों से समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने, नशामुक्त जीवन अपनाने, पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने का आग्रह किया। दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 575 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जबकि 40 छात्रों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने वर्ष 2022 में स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुसंधान और नवाचार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने 2.30 करोड़ रुपये की शोध परियोजनाएं प्राप्त कीं, 60 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए तथा दो पेटेंट के लिए स्वीकृति हासिल की। उन्होंने कहा कि विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ 22 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने बहुविषयक शिक्षा, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट प्रणाली और बहु-प्रवेश एवं निकास व्यवस्था को लागू किया है।

भाजपा के लिए लक्की स्टार प्रचारक साबित हुए हैं मुख्यमंत्री सुक्खूः जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू चुनाव प्रचार के लिए गए थे वहां कांग्रेस के एक प्रत्याशी को मात्र 650 वोट मिले हैं और उसकी जमानत भी जब्त हो गई है। इससे अब यह साबित हो गया है कि मुख्यमंत्री सुक्खू जहां-जहां भी प्रचार के लिए जाते हैं वहां-वहां कांग्रेस की हार ही होती है।

मंडी में मंगलवार शाम को पार्टी के चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत में जयराम ठाकुर ने कहा कि अब प्रदेश के साथ ही देश भर की जनता भी यह जान चुकी है कि सीएम सुक्खू सिर्फ झूठ बोलते हैं। इसलिए उनकी बातों और बहकावों में कोई नहीं आता। जयराम ठाकुर ने कहा कि जिस ईवीएम के दम पर हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी आज उसी ईवीएम को बाकी राज्यों में हार का कारण बताया जा रहा है। सीएम सुक्खू और कांग्रेस पार्टी का यही रवैया हो गया है कि जहां-जहां हार मिले वहां-वहां हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ दो। देश भर में ईवीएम के माध्यम से एक बार नहीं अनेकों बार चुनाव हुए हैं और सभी चुनावों को संपन्न करवाया गया है। इसमें खुद कांग्रेस की सरकारें कई राज्यों में बनी हैं। लेकिन हार के समय ईवीएम पर दोष देना सही नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ने पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में वर्तमान कांग्रेस सरकार को घेरते हुए कहा कि आखिर मुख्यमंत्री कि ऐसी क्या मजबूरी है कि सीबीआई की जांच रिपोर्ट आने के बाद भी दोषी पुलिस अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बल्कि उन्हें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू उन्हें रिवॉर्ड देते जा रहे हैं और कुछ को प्रमोशन तक दे दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारे समय में जब मुझे पुलिस भर्ती के पेपर लीक की जानकारी मिली थी तो उसी दिन मैंने एस.आई.टी. गठित की और परीक्षा रद्द करवा दी थी। जब मेरे ध्यान में आया कि इसमें जांच करने वाले पुलिस अधिकारी ही संलिप्त पुलिस अधिकारियों की जांच करेंगे तो मैंने मामला सीबीआई को दे दिया था। जबकि मेरी जानकारी है कि 2024 में ही ये रिपोर्ट आ चुकी है जिसमें सीबीआई ने संलिप्त पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की सिफारिश की है। लेकिन दुर्भाग्यवश ये सरकार उन्हें संरक्षण प्रदान कर कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा है कि आखिर वो कार्रवाई कब करेंगे और क्या मुख्यमंत्री ये बताने का साहस कर पाएंगे कि आखिर उस रिपोर्ट में क्या लिखा है। उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार को इस मामले में अपना पक्ष स्पष्ट कर देना चाहिए और जो दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई कर कानून के रास्ते में अड़चन पैदा नहीं करनी चाहिए।

शिमला में जनगणना के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में जनगणना-2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में बुधवार को बचत भवन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जिसमें जिले के 26 फील्ड ट्रेनरों को जनगणना से जुड़े तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। यह प्रशिक्षण 8 मई तक चलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) एवं जिला जनगणना अधिकारी ज्योति राणा ने की। उन्होंने बताया कि इस बार की जनगणना कई मायनों में खास होगी, क्योंकि पहली बार इसे पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर डॉ. हर्ष और देव दत्त शर्मा फील्ड ट्रेनरों को विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। इस मौके पर सहायक निदेशक जनगणना निदेशालय प्रियांशु तिवारी, जिला नोडल अधिकारी रमेश कुमार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। ज्योति राणा ने बताया कि जनगणना-2027 में पहली बार स्व-गणना की सुविधा शुरू की जा रही है। इसके तहत लोग एचएलओ मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के जरिए 1 जून से 15 जून 2026 के बीच अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद 16 जून से 15 जुलाई 2026 तक मकानों की सूचीकरण और गणना का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना सिर्फ आंकड़े जुटाने का काम नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की योजना बनाने की बुनियाद होती है। इसी आधार पर सरकार विभिन्न नीतियां तैयार करती है।

डोडा पुलिस ने नाशा मुक्त जम्मू और कश्मीर में जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

डोडा। नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के तहत सामुदायिक पहुंच और युवाओं की भागीदारी की दिशा में अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए पुलिस स्टेशन भद्रवाह ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भद्रवाह में एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सामाजिक मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाना और एक सुरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को प्रोत्साहित करना था। यह कार्यक्रम एस. एच. ओ. पुलिस स्टेशन भद्रवाह की देखरेख में उनकी टीम के साथ आयोजित किया गया था जिन्होंने छात्रों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम, साइबर सुरक्षा, जागरूकता और कानून और व्यवस्था बनाए रखने के महत्व सहित प्रमुख विषयों पर जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए। नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के उद्देश्यों पर विशेष जोर दिया गया और छात्रों को नशीले पदार्थों के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित किया गया। उन्हें नशीली दवाओं और अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने और अनुशासित और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की पुरजोर सलाह दी गई।

पंच परिवर्तन के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा संघ : आलोक कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने कहा कि संघ अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के पांच प्रमुख विषयों कुटुंब प्रबोधन, स्व की भावना, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य पर विशेष रूप से कार्य करेगा, जिससे समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाया जा सके।

शिमला में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए आलोक कुमार ने कहा कि बीते वर्षों में देश की परिस्थितियों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि लगभग दो दशक पहले देश के कई हिस्सों में जाने में लोगों को डर लगता था, जबकि आज स्थिति में सुधार हुआ है। कश्मीर के लाल चौक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जहां पहले कोई सार्वजनिक उत्सव मनाना मुश्किल था, वहीं अब लोग रात में भी नए साल का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने संघ के इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया कि हजारों स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और विभाजन के दौरान विस्थापितों की सहायता के लिए तीन हजार से अधिक शिविर लगाए। उन्होंने कहा कि एक छोटे संगठन के लिए यह बहुत बड़ा कार्य था। इसके अलावा गोवा और हैदराबाद के आंदोलनों में भी संघ की भूमिका रही और देश के विभिन्न हिस्सों में संगठन ने सक्रिय रूप से काम किया। आलोक कुमार ने कहा कि संघ देश की सभी भाषाओं को राष्ट्रीय मानता है, जिससे उसे व्यापक स्वीकार्यता मिली है। पंजाब में कठिन परिस्थितियों के दौरान भी संघ ने कार्य किया और भारत माता की जय को जन-जन का नारा बनाया। उन्होंने पंच परिवर्तन के पांच विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कुटुंब प्रबोधन के तहत परिवारों को सशक्त बनाना, संस्कार देना और परंपराओं का निर्वहन सुनिश्चित करना जरूरी है। स्वत्व की भावना पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि देश आज आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है और कई देशों को अनाज व बिजली उपलब्ध करा रहा है। पर्यावरण संरक्षण पर उन्होंने विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शिमला जैसे शहर, जो सीमित आबादी के लिए बने थे, आज अत्यधिक दबाव झेल रहे हैं। जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि नदियों का प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुका है और छोटे-छोटे प्रयासों से इसे सुधारा जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि इस बार कुंभ में प्लास्टिक के बर्तनों के उपयोग पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।

भाजपा ने निकाय-पंचायत चुनाव के लिए बनाई रणनीति, कांग्रेस पर ईवीएम को लेकर साधा निशाना

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भारतीय जनता पार्टी की बुधवार को शिमला में आयोजित एक बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। भाजपा के प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा के शिमला स्थित पार्टी मुख्यालय दीपकमल पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया, जिसके बाद आगामी पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, चुनावी रणनीति तैयार करने, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी नेताओं ने इसे आने वाले चुनावों के लिहाज से महत्वपूर्ण बैठक बताया। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बिहारी लाल शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हर चुनावी हार के बाद ईवीएम और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना कांग्रेस की राजनीतिक आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव विचारधारा, संगठन और जनसमर्थन के आधार पर लड़े जाते हैं, न कि संस्थाओं पर आरोप लगाकर। उन्होंने पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में भाजपा की जीत को जनता का स्पष्ट जनादेश बताते हुए कहा कि कांग्रेस इसे स्वीकार करने के बजाय ईवीएम पर सवाल उठाकर अपनी निराशा दिखा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस को जीत मिलती है, वहां वह चुनाव प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठाती, जबकि हार के बाद वही प्रक्रिया संदिग्ध बताई जाती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में वे प्रचार के लिए जाते हैं, वहां कांग्रेस को नुकसान होता है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक कमजोरियों पर विचार करना चाहिए, न कि बार-बार चुनाव आयोग या अन्य संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करना चाहिए।

कांगड़ा में रिहायशी मकान से चिट्टा, नशीले कैप्सूल व नकदी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान के अन्तर्गत कांगड़ा पुलिस थाना के तहत एक रिहायशी मकान से चिट्टा, नशीले कैप्सूल और नकदी बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना कांगड़ा में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की गई है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि जिला कांगड़ा पुलिस की विशेष टीम द्वारा गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर गांव तरसूह में एक रिहायशी मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान शेरू राम, पुत्र स्वरूप कुमार, निवासी गांव तरसूह, डाकघर सकोट, तहसील व जिला कांगड़ा, उम्र 42 वर्ष के कब्जे से 12.18 ग्राम चिट्टा (हेरोइन), 14 नशीले कैप्सूल तथा 42,150 की नकदी बरामद की गई। जिस पर उपरोक्त आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है तथा इसके विरुद्ध पुलिस थाना कांगड़ा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही नियमानुसार प्रगति पर है। उपरोक्त आरोपी गांव तरसूह में अपने रिहाईशी मकान में चिट्टा बेचने का धन्धा करता था।

कठुआ में नशा विरोधी अभियान की समीक्षा, सीमा चौकसी व युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत वित्त आयुक्त (एसीएस) अनिल कुमार सिंह ने कठुआ में आयोजित समीक्षा बैठक में अभियान की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए समन्वित, परिणामोन्मुख और निरंतर प्रयासों पर बल देते हुए कहा कि केवल सख्त कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जागरूकता, पुनर्वास और जनभागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। बैठक में उपायुक्त राजेश शर्मा ने जानकारी दी कि जिले में अब तक 1325 नशा विरोधी गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं जिनमें करीब 6.95 लाख लोगों की भागीदारी रही है। नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए 5 हॉटस्पॉट चिन्हित कर वहां सीसीटीवी निगरानी भी स्थापित की गई है। एसीएस ने विशेष रूप से लखनपुर और हीरानगर जैसे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा आरटीओ को रात्रि के समय सख्त जांच अभियान चलाने और नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जीएमसी कठुआ में 22 बिस्तरों वाली नशा मुक्ति उपचार सुविधा पूरी तरह कार्यरत है जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों और मनोचिकित्सकों की टीम मरीजों को उपचार व परामर्श दे रही है।

बाढ़ प्रभावितों को विधायक डॉ. भारत भूषण ने दी राहत राशि

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने अगस्त 2025 की बाढ़ से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। यह सहायता गांव दिलवां में आयोजित पब्लिक दरबार एवं शिकायत निवारण शिविर के दौरान वितरित की गई जिसमें जिला विकास आयुक्त राजेश शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त विशवजीत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान दिलवां, परोला, रखे, चिंकै, चनोट, मरौली, बिज्जत और जमालपुर सहित अन्य गांवों के लोगों ने पेयजल की कमी, सड़कों और जल आपूर्ति योजनाओं की स्थायी बहाली की मांग उठाई। इस पर विधायक और जिला विकास आयुक्त ने बताया कि क्षतिग्रस्त ढांचे की अस्थायी मरम्मत कर दी गई है तथा स्थायी बहाली जल्द की जाएगी। विधायक ने जल शक्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि योजनाओं की स्थायी बहाली तक दिलवां पंचायत में टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर विधायक ने बाढ़ से पूरी तरह क्षतिग्रस्त घरों वाले 10 परिवारों को एक-एक लाख रुपये तथा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त 10 परिवारों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि के स्वीकृति पत्र वितरित किए। कुल मिलाकर 15 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई जिससे प्रभावित परिवार अपने घरों का पुनर्निर्माण कर सकें। उल्लेखनीय है कि इन परिवारों को पहले एसडीआरएफ और मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत भी सहायता मिल चुकी है। पूर्व सरपंच दिलावर सिंह, उत्तम सिंह, कैप्टन पवन शर्मा सहित अन्य लोगों ने विधायक के इस प्रयास की सराहना की।

मौसम लाहौल-स्पीति में न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंचा

हिमाचल में 11-12 मई को फिर आंधी-बारिश का अलर्ट

मैदानी और मध्य पर्वतीय इलाकों में दिखेगा असर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर 11 और 12 मई को आंधी, बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इन दो दिनों में कई स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ गर्जन और बारिश हो सकती है। इससे पहले भी राज्य में पिछले चार दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश और ओलावृष्टि ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया है और मई महीने में दिसंबर जैसी ठंड महसूस की जा रही है। प्रदेश के जनजातीय इलाकों, खासकर लाहौल-स्पीति में न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंच गया है। ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी भी हुई है, जिससे औसतन न्यूनतम तापमान में करीब 3.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। पहाड़ी इलाकों शिमला और मनाली में ठंड का असर साफ देखा जा रहा है, जबकि निचले और मैदानी क्षेत्रों में भी उमस खत्म होकर मौसम सुहावना बना हुआ है। राज्य के विभिन्न शहरों के न्यूनतम तापमान पर नजर डालें तो सबसे कम तापमान लाहौल स्पीति जिला के ताबो में 0.8 डिग्री, कल्पा में 3.5, कुकुमसेरी में 4.8, मनाली में 8.2, सेओबाग में 8.7, शिमला में 9.0, सराहन में 9.9, भुंतर में 10.0, सोलन में 10.2, धर्मशाला में 11.2, पालमपुर में 12.0, सुंदरनगर में 14.5, नाहन में 15.1, कांगड़ा में 15.2, मंडी और बरठीं में 15.4, बिलासपुर में 16.5, ऊना में 16.8, जुब्बड़हट्टी में 17.6 और पांवटा साहिब व देहरा गोपीपुर में 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों के दौरान शिमला में 17 मिमी, नाहन में 12 मिमी, काहू में 7 मिमी, बरठीं में 6 मिमी, जबकि सराहन, सोलन और पालमपुर में करीब 5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इस दौरान शिमला, जुब्बड़हट्टी, सुंदरनगर, कांगड़ा और जोत में आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं भी सामने आईं, हालांकि किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। लगातार हो रही बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। खासकर सेब और अन्य गुठलीदार फलों पर इसका असर पड़ा है। वहीं निचले इलाकों में गेहूं की कटाई और पिसाई का काम प्रभावित हुआ है और कई जगह भीगने से फसल खराब हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार आज और कल 7 मई को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है। इसके बाद 8 से 10 मई तक मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि 11 और 12 मई को फिर से कई स्थानों पर आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है, जिसे लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

संक्षिप्त-समाचार

अनंतनाग पुलिस ने उतरासू और अचबल में अफीम पोस्त की अवैध खेती नष्ट की

अनंतनाग । नशीले पदार्थों की खेती और तस्करी के खिलाफ लगातार जारी कार्रवाई में अनंतनाग पुलिस ने उतरासू और अचबल क्षेत्रों में सफल अभियान चलाए जिसके परिणामस्वरूप अवैध रूप से उगाई गई अफीम पोस्त की फसलें नष्ट हो गईं और एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पहले अभियान में उतरासू पुलिस स्टेशन ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट के साथ उतरासू के रायपोरा गांव में एक अभियान चलाया जहां रायपोरा निवासी गुलाम हसन वानी की विधवा फातिमा बेगम की जमीन पर अफीम पोस्त की अवैध खेती पाई गई। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में अवैध फसल को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में, धारा 8/18 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 45/2026 दर्ज की गई है और जांच जारी है। एक अन्य कार्रवाई में अचबल पुलिस स्टेशन ने बीट ऑफिसर अकिंगम से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की जिसमें गुलाम हसन लोन पुत्र गुलाम मोहम्मद लोन निवासी बदूरा द्वारा अफीम की अवैध खेती का आरोप था। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए अचबल पुलिस स्टेशन में धारा 8/18 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 33/2026 दर्ज की गई। जांच के दौरान जांच अधिकारी ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट और कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया और लगभग एक मरला भूमि पर अफीम के पौधे अवैध रूप से उगाए हुए पाए।

कठुआ में दिल दहला देने वाली वारदात, एक किशोर की मौत, दूसरा गंभीर घायल

कठुआ। कठुआ शहर के बार्ड नंबर 10 पारलीबंड क्षेत्र के पास स्थित नई बस्ती में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है जहां दो सगे भाइयों के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। इस हमले में 18 वर्षीय नकुल की मौत हो गई जबकि उसका छोटा भाई 16 वर्षीय निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसका इलाज जीएमसी कठुआ में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों भाइयों की मां जो पीएचई विभाग में कार्यरत हैं जब अपने घर पहुंचीं तो उन्होंने अपने दोनों बेटों को खून से लथपथ हालत में देखा। यह दृश्य देखकर उन्होंने शोर मचाया जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कठुआ पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने नकुल को मृत घोषित कर दिया जबकि निखिल का उपचार जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल इस हमले के पीछे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया लेकिन पुलिस ने एक युवक को पुछताछ के लिए पकड़ा भी है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच कर रही है।

लद्दाख में पेयजल आपूर्ति के लिए प्रशासन का केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के साथ समझौता

लेह। केंद्र शासित लद्दाख प्रशासन ने स्थायी और विश्वसनीय पेयजल आपूर्ति के लिए बुधवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू की सबसे खास विशेषताओं में से एक लद्दाख में प्रत्येक घर में पानी के कनेक्शन के लिए 100 प्रतिशत केंद्रीय वित्त पोषण है। मंत्रालय लद्दाख में प्रति जल कनेक्शन 4 लाख रुपये की पूरी लागत वहन करेगा। उपराज्यपाल ने लगातार लद्दाख में विकास परियोजनाओं में केंद्रीय सहायता और हस्तक्षेप को बढ़ाने की वकालत की है, जो इसके अद्वितीय पारिस्थितिक और भौगोलिक संदर्भ के अनुरूप है। एमओयू के अनुसार ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों जैसे स्थानीय संस्थानों को पाइप जल आपूर्ति प्रणालियों की कमीशनिंग और हैंडओवर सुनिश्चित करने के लिए एक संरचित ढांचा स्थापित किया गया है। जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) और यूटी प्रशासन के सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई) और सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण (आई एंड एफसी) विभाग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल से कठिन इलाके, कठोर जलवायु परिस्थितियों और सीमित मीठे पानी के संसाधनों से उत्पन्न होने वाली अनूठी जल चुनौतियों का समाधान करके लद्दाख को महत्वपूर्ण लाभ होने की उम्मीद है। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कुशल जल प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देकर एमओयू ग्रामीण परिवारों के लिए साल भर पीने योग्य पानी की पहुंच सुनिश्चित करने, टैंकर आधारित आपूर्ति और मौसमी स्रोतों पर निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह समझौता ज्ञापन लद्दाख में जल सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जल जीवन मिशन के तहत मजबूत सहयोग और बर्फ और हिमनद पिघलने के लिए हाल ही में शुरू की गई परियोजना हिम सरोवर जैसी पहल के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि लद्दाख पानी में आत्मनिर्भर बने।

राशन कार्ड नियमों में किए गए बदलावों के खिलाफ कश्मीरी पंडित समुदाय का विरोध प्रदर्शन

जम्मू। जम्मू में बुधवार को कश्मीरी पंडित समुदाय का बड़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। राहत आयुक्त कार्यालय के बाहर सैंकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और राशन कार्ड नियमों में किए गए बदलावों के खिलाफ जोरदार नारेबाजीकी। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को राहत आयुक्त कार्यालय की ओर बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प भी हुई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रदर्शन कर रहे कश्मीरी पंडितों का आरोप है कि नए नियमों और एनएफएसए प्रक्रिया के कारण हजारों विस्थापित परिवारों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

अनाज भंडारण के लिए शाहबाद-अंबाला के बीच बनाया जाए बड़ा साइलो: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में अनाज भंडारण तथा पलवल व नूंह क्षेत्र में जलापूर्ति के संबंध में किया मंथन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अनाज को खराब होने से बचाने के लिए जरूरी है कि प्रदेश में पर्याप्त संख्या में वेयरहाउस व साइलो उपलब्ध हों। इसके लिए संबंधित विभाग विस्तृत कार्ययोजना बनाकर जल्द से जल्द अनाज भंडारण की समस्या का स्थाई समाधान निकालें। उन्होंने निर्देश दिए कि अनाज भंडारण के लिए शाहबाद व अंबाला के बीच साइलो (विशाल वेयरहाउस) बनाने की योजना तैयार की जाए। श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्रदेश में अनाज भंडारण तथा पलवल व नूंह क्षेत्रों में जलापूर्ति के प्रबंधों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसानों द्वारा अनाज उत्पादन के लिए दिन-रात मेहनत की जाती है। इस अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए पर्याप्त संख्या में वेयरहाउस भी होने आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शाहबाद व अंबाला के बीच किसी ऐसे स्थान पर साइलो (विशाल वेयरहाउस) के निर्माण की योजना बनाई जाए जो रेलवे लाईन व सड़क मार्ग के बीच हो। ऐसा करने से कम खर्च में पूरे देश के साथ साइलो की कनेक्टिविटी संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि साइलो के लिए रेलवे लाईन व सड़क के बीचों-बीच आवश्यकता अनुसार 100 एकड़ तक जमीन अधिगृहीत कर ली जाए। उन्होंने अधिकारियों को जमीन अधिग्रहण व साइलो निर्माण की योजना तैयार करने का कार्य एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के मद्देनजर वहां सब्जियों व फलों की काफी अधिक मांग है। इसके लिए मुख्यमंत्री ने वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को हिसार एयरपोर्ट के समीप भी एक साइलो अथवा बड़े वेयरहाउस की स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने को कहा जहां सब्जियों व फलों का सुरक्षित भंडारण किया जा सके और इन्हें हिसार एयरपोर्ट के माध्यम से मिडिल ईस्ट में सप्लाई किया जा सके। ऐसा करके प्रदेश के सब्जी व फल उत्पादक किसानों को उनके उत्पादों के अधिक दाम मिल सकेंगे। जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पलवल व नूंह क्षेत्र के 108 गांवों तथा पुन्हाना नगर में ट्यूबवेल आधारित पेयजल आपूर्ति की जाती है। इसलिए भूमिगत जलस्तर को बनाए रखने के लिए जमीन को रिचार्ज करने हेतु विभाग द्वारा 7 रैनी वेल व बूस्टिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इस कार्य पर 765 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके साथ-साथ जिन क्षेत्रों में ट्यूबवेल से जलापूर्ति की जाती है उन क्षेत्रों में नहरी पानी से जलापूर्ति की योजना बनाई जाए, क्योंकि आने वाले समय में नूंह व पलवल एरिया में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित होंगे और वहां जनता को अधिक मात्रा में पानी की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर पूरे प्रदेश में अधिक से अधिक पौधारोपण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम योजना से अभी से बड़ी संख्या में पेड़ लगवाने शुरू कर दिए जाएं।

हरियाणा में बढ़ी अनुबंध कर्मचारियों के आवेदनों के सत्यापन की समय-सीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) द्वारा हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 तथा हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) नियम, 2025 के तहत प्राप्त आवेदनों के सत्यापन की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है।

पत्र के अनुसार राज्य सरकार के संज्ञान में आया है कि पोर्टल पर बड़ी संख्या में आवेदन वर्तमान/संबंधित डीडीओ के स्तर पर सत्यापन के लिए लंबित हैं। इसको देखते हुए लंबित आवेदनों के सत्यापन की समय-सीमा बढ़ाई गई है, ताकि सभी संबंधित विभाग और संगठन प्रक्रिया को समय पर पूरा कर सकें।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार वर्तमान/संबंधित डीडीओ कर्मचारी विवरण और विभागीय सेवा रिकॉर्ड की जांच करते हुए लंबित आवेदनों का सत्यापन 15 मई, 2026 तक करेंगे। इसके बाद वित्त विभाग पात्र कर्मचारियों के लिए 15 मई, 2026 तक सुपरन्यूमररी पदों का सृजन करेगा।

इसके उपरांत संबंधित विभागाध्यक्ष पात्र अनुबंध कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा प्रदान करते हुए पोर्टल पर 15 जून, 2026 तक अंतिम स्वीकृति प्रदान करके ऑफर लेटर जारी करेंगे।

राज्य सरकार ने निर्देश दिए हैं कि इन आदेशों को सभी संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाकर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डीडीओ 15 मई तक कर सकेंगे आवेदनों का सत्यापन

हरियाणा सरकार ने मांगी 50 हजार प्रतिमाह से अधिक पारिश्रमिक पाने वाले अनुबंध कर्मचारियों की जानकारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों और प्राधिकरणों में ऐसे पदों की पहचान करने और आंकड़े जुटाने का निर्णय लिया है जहां अनुबंध कर्मचारी प्रतिमाह 50,000 रुपये से अधिक पारिश्रमिक ले रहे हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों/निगमों/प्राधिकरणों के प्रबंध निदेशकों एवं मुख्य प्रशासकों, मंडलायुक्तों तथा उपायुक्तों को ऐसे कर्मचारियों का विवरण उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है, जिन्होंने 15 अगस्त, 2024 तक अनुबंध आधार पर 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली है। सभी संबंधित विभागों और संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित प्रारूप में आवश्यक जानकारी 30 मई, 2026 तक ई-मेल पर भेजना सुनिश्चित करें। मांगी गई जानकारी में विभाग/बोर्ड/निगम/प्राधिकरण का नाम, पद का नाम, ऐसे पदों पर कार्यरत अनुबंध कर्मचारियों की संख्या, कर्मचारी जिस पद के विरुद्ध कार्यरत है वह स्वीकृत है या नहीं, नियुक्ति का तरीका, मासिक पारिश्रमिक, कार्य की प्रकृति, अनुबंध की अवधि तथा आवश्यक औचित्य संबंधी टिप्पणियां शामिल हैं। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि इन निर्देशों को सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के संज्ञान में लाया जाए, ताकि समयबद्ध तरीके से आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने स्कूल को भेंट किया 36 फुट ऊंचा तिरंगा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

देश में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के नौ हल्कों में विशाल तिरंगे लगाए जा रहे हैं, जिससे राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। इसी कड़ी में हल्का थानेसर के सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल में 36 फुट ऊंचा तिरंगा लहराने के लिए फ्लैग पोल स्थापित करवाया जा चुका है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, जिन्दल हाउस में सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल के स्टाफ को 36 फीट ऊंचा तिरंगा फहराने के लिए, राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित अन्य सामग्री भेंट की गई। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से बलविंद्र सिंह और डॉ. राज कुमार ने स्कूल के स्टाफ को ध्वज संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी दी। इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल ने आम जनमानस को राष्ट्रीय ध्वज, घर-घर फहराने का अधिकार दिलाया। इसके लिए उन्होंने वर्षों तक संघर्ष किया है। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया देशभर में 200 से अधिक स्थानों पर विशाल तिरंगे स्थापित करवा चुकी है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल युवाओं में देशभक्ति की भावना को प्रबल करते हैं, बल्कि उन्हें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक बनाते हैं। सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल में तिरंगे की स्थापना से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय गौरव और सम्मान की भावना और अधिक मजबूत होगी। इस अवसर पर सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल की निदेशिका श्रीमती अंजलि मारवाहा ने स्कूल प्रबंधन की ओर से इस सहयोग के लिए सांसद नवीन जिन्दल और फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह तिरंगा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और उन्हें देश के प्रति समर्पित नागरिक बनने की प्रेरणा देगा।

केयू में आयोजित सेमिनार से महिला सशक्तिकरण व आरक्षण को मिली मजबूती

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में ह्लसशक्त नारी, सशक्त समाज, सशक्त राष्ट्रह्व विषय पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार एवं प्रदर्शनी महिला सशक्तिकरण व आरक्षण की दिशा में प्रभावशाली और दूरदर्शी पहल के रूप में उभरा। इस आयोजन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत के विकास का मार्ग महिलाओं के सशक्तिकरण से होकर ही गुजरता है। इस कार्यक्रम में करीब 3000 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इसकी व्यापकता और प्रभाव को और भी सशक्त बनाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा नारी, किसान, युवा और गरीब को विकास के चार स्तंभ बताना उनकी समावेशी सोच को दशार्ता है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए सुरक्षित शिक्षा वातावरण, नजदीकी कॉलेजों की स्थापना और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की बात, जमीनी स्तर पर परिवर्तन की दिशा में सकारात्मक संकेत देती है। महिला आरक्षण के संदर्भ में भी यह आयोजन विशेष महत्व रखता है। ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्ल जैसे ऐतिहासिक कदमों से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा मिली है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका और सशक्त होगी। यह पहल न केवल समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज में लैंगिक संतुलन और न्याय को भी मजबूत आधार प्रदान करती है। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं हुआ, बल्कि ठोस नीतिगत निर्णयों और योजनाओं की भी घोषणा की गई। महिला शोधार्थियों और अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं के लिए 300 क्षमता वाले आधुनिक छात्रावास का निर्माण, एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को सशक्त बनाने की पहल, तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्राओं को 50 प्रतिशत फीस छूट जैसे कदम महिला शिक्षा और तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने समानता, न्यायसंगत समानता और समावेशिता जैसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए यह रेखांकित किया कि केवल अधिकार प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि महिलाओं को वास्तविक अवसर और भागीदारी देना भी उतना ही आवश्यक है। यह दृष्टिकोण आधुनिक समाज और नीति निर्माण की मूल आवश्यकता को उजागर करता है। प्रदर्शनी ने इस आयोजन को और अधिक प्रभावशाली बनाया, जहां विभिन्न क्षेत्रों विज्ञान, खेल, प्रशासन और कला में महिलाओं की उपलब्धियों को सशक्त तरीके से प्रस्तुत किया गया। यह न केवल प्रेरणादायक रहा, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देने वाला कदम साबित हुआ।

फिर भी, किसी भी योजना की वास्तविक सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। आवश्यक है कि इन घोषणाओं को केवल मंच तक सीमित न रखकर जमीनी स्तर पर लागू किया जाए, ताकि ग्रामीण और वंचित वर्ग की महिलाओं तक भी इनका लाभ पहुंच सके। कुल मिलाकर, यह सेमिनार महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस और सकारात्मक पहल के रूप में सामने आया है। यदि घोषित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह निश्चित रूप से ह्लविकसित भारत-2047ह्व के लक्ष्य को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट किया लॉन्च

चंडीगढ़। हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोग ने नागरिकों के लिए आवेदन की स्थिति ट्रैक करने और अपील दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल व सुलभ बनाने के उद्देश्य से व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट लॉन्च किया है। प्रवक्ता ने बताया कि यह चैटबॉट आयोग द्वारा पारदर्शिता बढ़ाने और डिजिटल तकनीक के माध्यम से नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से नागरिक अब अपने आवेदनों की स्थिति आसानी से जान सकते हैं, ऑटो अपील सिस्टम के तहत अपील दर्ज कर सकते हैं तथा अपने आवेदन व अपील से संबंधित सभी अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह प्लेटफॉर्म नागरिकों को व्हाट्सएप के जरिए तेज, सरल और बिना किसी परेशानी के सेवाएं उपलब्ध कराएगा, जिससे वे अपने मोबाइल फोन से ही आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और अपील प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि नागरिक इस चैटबॉट का उपयोग किसी भी समय व्हाट्सएप नंबर 6239466937 पर संदेश भेजकर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन समयबद्ध सेवा वितरण और शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार डिजिटल पहल करता आ रहा है।

शोधार्थी समाजोपयोगी शोध को दें प्राथमिकता: कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे ऐसा शोध कार्य करें जो समाज और राष्ट्र के लिए प्रत्यक्ष रूप से उपयोगी साबित हो। कुलपति ने विभिन्न विभागों के शोधार्थियों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने गुणवत्ता-आधारित और उद्देश्यपूर्ण शोध पर जोर दिया। प्रो. मिलाप पूनियाँ ने कहा कि विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य ऐसे शोध को बढ़ावा देना है, जो जमीनी समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करे। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर शोध करने के लिए प्रेरित करते हुए भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन बेहतर शोध वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। संवाद के दौरान शोधार्थियों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए रिसर्च सुविधाओं के विस्तार, संसाधनों की उपलब्धता और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इस कार्यक्रम में भूगोल, इमसार, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, वाणिज्य, हिंदी और बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधार्थी शामिल रहे। शोधार्थियों में वंदीक ढिल्लों और आशीष तंवर (अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग), दीपक लोहचब व सुबोध यादव (भूगोल विभाग), देव कुमार (इमसार), सुधीर घनघस (अर्थशास्त्र विभाग), अजय रेड्डू (समाजशास्त्र विभाग) तथा सुशील (बायोटेक्नोलॉजी विभाग) शामिल रहे।

हरियाणा सरकार की कर्मचारियों को हिदायत, 22 मई तक दाखिल करें वार्षिक संपत्ति विवरण

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों को वर्ष 2025झ्2026 के लिए अपना वार्षिक संपत्ति विवरण (एनुअल प्रॉपर्टी रिटर्न) 22 मई, 2026 से पहले दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार हरियाणा सिविल सेवाएं (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम, 2016 के नियम 24 के तहत प्रत्येक सरकारी कर्मचारी के लिए प्रत्येक वित्त वर्ष के अंत में वार्षिक संपत्ति विवरण दाखिल करना अनिवार्य है। इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि यदि उन्होंने पूर्व वर्षों का विवरण अभी तक दाखिल नहीं किया गया है तो उसे भी निर्धारित समय सीमा तक सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन भरना सुनिश्चित करें।

थानीय निकायों में भ्रष्टाचार का बोलबाला, बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं लोग: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
रेवाडी.

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार स्थानीय स्तर पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। स्थानीय निकायों में भ्रष्टाचार का बोलबाला है और लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। भाजपा शासन में शहरों को गंदगी का डिब्बा बनाकर छोड़ दिया गया है।

रेवाड़ी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि धारूहेड़ा के लोग लंबे समय से परेशान और दुखी हैं। आखिर धारूहेड़ा ने ऐसा कौन-सा दोष किया है कि पड़ोसी क्षेत्रों की गंदगी यहां डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश, केंद्र और स्थानीय स्तर पर भाजपा की सरकार होने के बावजूद धारूहेड़ा की जनता के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। लोगों को हर स्तर पर ठगा गया है और उनके साथ धोखा हुआ है। सांसद ने विश्वास जताया कि निकाय चुनाव में कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष पद की उम्मीदवार को जनता प्रचंड बहुमत से विजयी बनाएगी। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा शासन में जो स्थानीय विकास कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं, उन्हें कांग्रेस के नेतृत्व में मिलकर तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार स्थानीय निकायों की समस्याओं के समाधान में पूरी तरह असफल रही है। शहरों में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है, भ्रष्टाचार बढ़ा है और आम नागरिक मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। सांसद ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि असली बड़ी मछलियों (मुख्य आरोपियों) को संरक्षण दिया जा रहा है। सांसद ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के शासनकाल में स्थानीय निकायों में भ्रष्टाचार के आरोप लगातार चर्चा में हैं। विपक्षी दलों और स्थानीय निवासियों द्वारा शहरी स्थानीय निकायों में प्रॉपर्टी आईडी, विकास कार्यों और निविदाओं में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं।

सतनाम वाहे गुरुजी का जाप श्रद्धालुओं में भर रहा तख्त सचखंड हजूर साहिब की ओर जाने का जज्बा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

सतनाम वाहेगुरु सतनाम वाहेगुरु का जाप और गुरुवाणी का पाठ श्रद्धालुओं को तख्त श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र में जाने का जोश और जज्बा भरता रहा। यह यात्रा कुरुक्षेत्र से चलकर दूसरे दिन उत्तर प्रदेश से होती हुई मध्य प्रदेश से गुजर रही है। इस ऐतिहासिक व यादगार धार्मिक यात्रा करवाने के लिए सभी श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरूक्षेत्र से श्री हजूर साहिब नादेंड के लिए धार्मिक यात्रा को रवाना किया था। यह उतर प्रदेश से मध्य प्रदेश पहुंच चुकी है। कुरूक्षेत्र निवासी दर्शन खन्ना ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार के प्रयासों से सीनियर सिटीजन.धार्मिक यात्रा कर पा रहे है। यह यात्रा निःशुल्क है और ट्रेन में खाने पानी की उच्च स्तरीय व्यवस्था की गई है। इसके लिए सभी यात्री सरकार के प्रयासों की तारीफ कर रहे है। धार्मिक यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को रात्रि के समय पौष्टिक भोजन दिया गया। वहीं सुबह के समय हाई टी व नाश्ते के समय पोहा और फल, भोजन दिया गया।

मामू माजरा ने कहा कि सभी श्रद्धालु वाहे गुरू का नाम जप रहे हैं और रात्रि को सोने से पहले और सुबह जल्दी उठकर गुरुवाणी का सिमरन कर रहे है। इससे श्रद्धालुओं में तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के दर्शन करने की जिज्ञासा बढ़ती जा रही है। लखविन्द्र सिंह पलवल डेरा ने कहा कि सरकार ने दूर दराज के धार्मिक स्थलों की यात्रा व गुरु साहिब के पवित्र स्थल के दर्शन में असमर्थ श्रद्धालुओं हेतु धार्मिक यात्रा करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके लिए प्रदेश सरकार के साथ साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशेष तौर पर बधाई के पात्र है।

अंत में यात्रियों ने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों के साथ-साथ हरियाणा सरकार का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है जिसके अंतर्गत सरकार द्वारा लोगों को मुफ्त अनेक तीर्थ स्थलों की तीर्थ यात्रा करवाई जा रही है।

प्रदेश में कहीं भी पीने के पानी की कमी नहीं आने दी जाएगी: श्रुति चौधरी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सरकार प्रदेशवासियों को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध

हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी पीने के पानी की कमी नहीं आने दी जाएगी। सरकार प्रदेशवासियों को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने यह बात आज सिंचाई विभाग एवं जन अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कही। श्रीमती चौधरी ने प्रदेश में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त पंप लगाकर पानी के टैंकों को समय पर भरना सुनिश्चित करें, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से संसाधनों या धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ करें, यदि किसी ने ड्यूटी में कोताही की तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने प्रदेश के नागरिकों से भी अपील की कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए पानी का उपयोग जरूरत के अनुसार करें। उन्होंने कहा कि पानी एक अमूल्य संसाधन है, इसलिए इसका दुरुपयोग न करें और केवल आवश्यकता के अनुसार ही इस्तेमाल करें, ताकि सभी को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि हांसी ब्रांच में सोमवार 4 मई, 2026 को पानी छोड़ दिया गया था , यह पानी सुंदर सब ब्रांच होते हुए भिवानी शहर के पानी के टैंकों तक पहुंच गया है ।

पांच विभागों के छात्रों की रचनात्मकता का संगम है अभिव्यंजना

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

सुपवा के फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के अंदर आने वाले पांच विभागों के 300 से अधिक छात्रों की दो हजार से अधिक कलाकृतियों की कहानी बयां कर रही प्रदर्शनी

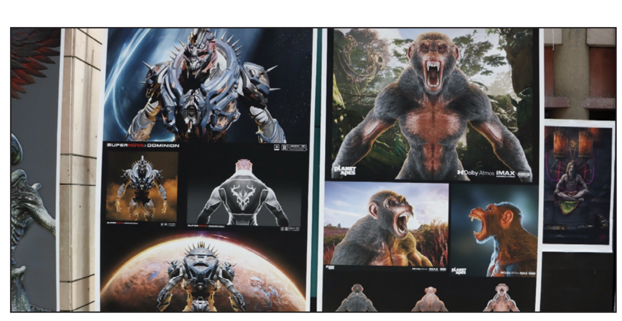

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में आयोजित कला प्रदर्शनी ह्यअभिव्यंजनाह्ल रचनात्मकता के बड़े उत्सव का रूप लिए हुए है। यह प्रदर्शनी केवल कलाकृतियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विचारों, भावनाओं व कल्पनाओं का जीता-जागता संगम है। सुपवा की फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के अंतर्गत आने वाले पांच प्रमुख विभागों के करीब 300 से अधिक छात्रों ने यहां पर अपनी दो हजार से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की हुई हैं, जो सभी दर्शकों को अपनी तरह आकर्षित कर रही हैं। इनमें एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर, एनीमेशन, पेंटिंग, प्रिंट मेकिंग के स्टूडेंट्स शामिल हैं। कला प्रदर्शनी में एनीमेशन के छात्रों ने आधुनिक तकनीक व अपनी कल्पना का शानदार नमूना प्रस्तुत किया है। कैरेक्टर डिजाइन, थ्री-डी मॉडल, फिल्म एनीमेशन, एनिमेटेड वेपन, व्हीकल, रोबोट आदि को बहुत ही दमदार तरीके से प्रस्तुत किया है। इस विभाग के करीब 75 छात्रों ने प्रदर्शनी में 100 से अधिक कलाकृतियां प्रस्तुत की हैं। प्रदर्शनी में आने वाले युवाओं को यह काफी लुभा रही हैं। एप्लाइड आर्ट विभाग के छात्रों ने विज्ञापन, ग्राफिक डिजाइन व विजुअल कम्युनिकेशन के माध्यम से समकालीन विषयों को प्रभावशाली तरीके से उकेरा है। कंप्यूटर व मैनुअल तरीके से तैयार होने वाली इस आर्ट में छात्रों ने सामाजिक, मनोरंजन व पारंपरिक विषयों पर अपनी सोच को नए अंदाज में प्रस्तुत किया है। विज्ञापन, कैंपेन डिजाइन करने, कैरेक्टर डिजाइन में छात्रों ने अपनी महारथ को पेपर पर प्रस्तुत किया है। यह आर्ट केवल देखने में ही आकर्षित नहीं है, बल्कि सामाजिक संदेश भी देती है। महिलाओं की आजादी कहानियों को टाइपोग्राफी के माध्यम से दीवार पर दिखाया गया है। इस विभाग के 90 छात्रों ने करीब 300 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की हैं। पेंटिंग विभाग की कलाकृतियां प्रदर्शनी का भावनात्मक केंद्र बनकर उभर रही हैं। छात्रों ने कैनवस पर रंगों के जादू को उकेर दिया है। सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक व पारंपरिक संदेशों को वाटर कलर, एक्रिलिक कलर, पोस्टर मेकिंग, पोर्ट्रेट, कैलीग्राफी के माध्यम से छात्रों ने दिखाया है। पेंटिंग के छात्रों ने कलाकृतियों को इंस्टॉल करने के अलावा डांस व ड्रामा के माध्यम से भी अपनी कला दिखाई है। इस विभाग के 90 छात्रों ने यहां पर अपनी सैकड़ों कलाकृतियों को दशार्या है, जो लोगों का ध्यान खींच रही हैं।

स्कल्पचर विभाग के छात्रों ने आम इस्तेमाल में होने वाली चीजों से ही ऐसी मूर्तियां, स्ट्रक्चर, सामान तैयार किए हैं, जो तुरंत आकर्षित करते हैं। फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के फैकेल्टी कोऑर्डिनेटर विनय कुमार ने बताया कि स्कल्पचर (मूर्तिकला) आधुनिक व पारंपरिक आर्ट का संगम है। इसके माध्यम से छात्रों ने अपने निजी, सामाजिक जीवन के साथ पुरानी यादों को मूर्त रूप देने का काम किया है। इसमें प्लास्टर, सीमेंट, क्ले, टेराकोटा, पीओपी, मिट्टी, लोहे, लकड़ी, कागज आदि आम इस्तेमाल में आने वाली चीजों से छात्रों ने अद्भुत कलाकृतियां प्रस्तुत की हैं। इस विभाग के करीब 15 छात्रों ने 50 से अधिक कल्चर तैयार किए हैं, जिनमें ग्रामीण जीवन की झलकियां सबसे अधिक आकर्षित करती हैं। हरियाणा में इस्तेमाल होने वाले मिट्टी के बड़े बर्तन, पुरानी दीवारें व खेती में इस्तेमाल होने वाली चीजों को भी स्कल्पचर बनाने में इस्तेमाल किया गया है।

फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के असिस्टेंट प्रोफेसर शरद ने बताया कि छात्रों ने सबसे पुरानी कला प्रिंट मेकिंग की कलाकृतियां भी प्रदर्शित की हैं। पत्थर काटकर तैयार करने वाली यह कला सदियों पुरानी है। इसमें स्क्रीन प्रिंट, वुड कटिंग, इचिंग व धातुओं पर शानदार प्रिंट तैयार कर प्रदर्शनी में दिखाए गए हैं। प्रदर्शनी में इस पुरानी कला का नई टेक्नोलॉजी के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया गया है, जो एक दम यूनिक है। हर प्रिंट अपने आप में एक अनोखी कहानी समेटे हुए है। फाउंडेशन विभाग में फर्स्ट व सेकंड सेमेस्टर के स्टूडेंट्स हैं, जिन्हें सभी कोर्स की कॉमन स्टडी होती है। इस विभाग के 95 से अधिक छात्रों ने टू डी आर्ट, थ्री डी आर्ट, टाइपोग्राफी, क्रिएटिव पेंटिंग, लाइफ स्टाइल पेंटिंग, आउटडोर पेंटिंग, टेक्निकल पेंटिंग प्रेजेंट की हैं। प्रदर्शनी के इस भाग में आकर ऐसा लगता है कि सभी कलाओं का संगम एक ही छत के नीचे हो गया है।

यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने बताया कि यह प्रदर्शनी छात्रों द्वारा साल भर मेहनत कर तैयार की गई अपनी कला को प्रदर्शित करने का एक शानदार मंच है। इस साल हमने प्रदर्शनी का 11वां संस्करण आयोजित किया है। कई पहलुओं पर जांच करने व जज करने के बाद शानदार कलाकृति प्रदर्शित करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया जाता है। गुरुवार को यह सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

संपादकीय

चुनावी पराजय के बाद भी पद पर डटे रहना – लोकतंत्र के लिए कितना घातक?

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि उसमें जनता का निर्णय अंतिम होता है। जब किसी राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं और सत्तारूढ़ दल बहुमत खो देता है, तो यह जनता का स्पष्ट संदेश होता है कि वह नेतृत्व परिवर्तन चाहती है। ऐसी स्थिति में एक जिम्मेदार मुख्यमंत्री से यह अपेक्षा की जाती है कि वह स्वेच्छा से पद से त्यागपत्र दे और सत्ता-हस्तांतरण की प्रक्रिया को सुचारु बनाए। किंतु यदि कोई मुख्यमंत्री चुनावी पराजय के बाद भी पद छोड़ने से इनकार कर दे, तो यह न केवल संवैधानिक संकट को जन्म देता है, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं की जड़ों पर भी प्रहार करता है। यह प्रश्न आज के राजनीतिक परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक है और इसका उत्तर हमें संविधान, न्यायिक व्याख्याओं और राजनीतिक नैतिकता तीनों के संदर्भ में खोजना होगा। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 164 यह स्पष्ट करता है कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करता है और मंत्रिपरिषद विधानसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है। इसका सीधा अर्थ यह है कि मुख्यमंत्री का पद पर बने रहना विधानसभा के विश्वास पर निर्भर है। जब चुनावी नतीजे यह सिद्ध कर दें कि जनता ने उस दल को नकार दिया है और विधानसभा में उसके पास बहुमत नहीं रहा, तब मुख्यमंत्री की वैधता स्वतः समाप्त हो जाती है। वह पद पर बना रह सकता है, किंतु केवल कार्यवाहक के रूप में, और वह भी सीमित समय के लिए – जब तक नई सरकार का गठन न हो जाए। यदि मुख्यमंत्री इस्तीफा देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दे, तो संविधान ने राज्यपाल को इस संकट से निपटने का अधिकार दिया है। राज्यपाल संविधान का संरक्षक है और वह यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि राज्य में संवैधानिक शासन बना रहे। वह मुख्यमंत्री को पद से बर्खास्त कर सकता है। यह अधिकार असाधारण परिस्थितियों के लिए है, किंतु जब कोई मुख्यमंत्री स्पष्ट रूप से बहुमत खोने के बाद भी पद पर अड़ा रहे, तब यह परिस्थिति असाधारण ही कहलाएगी। हालांकि राज्यपाल का यह विवेकाधिकार भी विवाद से परे नहीं है। यदि राज्यपाल स्वयं किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित होकर काम करे, तो न्यायालय उसके निर्णय की समीक्षा कर सकता है। इतिहास के पन्नों पर ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच टकराव हुआ। 1998 में उत्तर प्रदेश, 2005 में झारखंड और 2019 में महाराष्ट्र जैसे प्रकरण यह दर्शाते हैं कि सत्ता-हस्तांतरण के समय राजनीतिक खींचतान कितनी तीव्र हो सकती है। इन मामलों में न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और बार-बार यह सिद्धांत स्थापित किया गया कि बहुमत का परीक्षण सदन के भीतर होना चाहिए, न कि दरबारी राजनीति के माध्यम से। विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव एक और संवैधानिक हथियार है। यदि नई विधानसभा में विपक्षी दल बहुमत में हों, तो वे अविश्वास प्रस्ताव ला सकते हैं। जैसे ही यह प्रस्ताव पारित होता है, मुख्यमंत्री का पद पर रहना पूरी तरह असंवैधानिक हो जाता है और राज्यपाल को तत्काल कार्रवाई करने का अधिकार और दायित्व दोनों प्राप्त हो जाते हैं। इस स्थिति में यदि मुख्यमंत्री तब भी न हटे, तो यह संवैधानिक व्यवस्था के प्रति खुली अवज्ञा होगी। न्यायिक हस्तक्षेप भी इस स्थिति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि मुख्यमंत्री संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करते हुए पद पर बना रहे, तो कोई भी नागरिक या राजनीतिक दल उच्च न्यायालय अथवा उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर सकता है। न्यायालय सरकार को निर्देश दे सकता है और आवश्यकता पड़ने पर स्थगन आदेश भी जारी कर सकता है। 1994 का बोम्मई बनाम भारत संघ का ऐतिहासिक निर्णय इस संदर्भ में मील का पत्थर है। उस निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि विधानसभा का विश्वास खोने वाली सरकार को तत्काल हटाया जाना चाहिए और यह परीक्षण विधायिका के पटल पर होना चाहिए, किसी एक व्यक्ति के विवेक पर नहीं। राष्ट्रपति शासन का विकल्प भी संविधान ने रखा है। अनुच्छेद 356 के अंतर्गत यदि राज्य में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो जाए, तो केंद्र सरकार राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश कर सकती है। यह एक कठोर और अंतिम विकल्प है जिसका अतीत में बड़े पैमाने पर राजनीतिक दुरुपयोग हुआ है। इसीलिए बोम्मई प्रकरण के बाद इसके प्रयोग पर न्यायिक अंकुश और अधिक सख्त हो गया। फिर भी यदि सभी रास्ते बंद हो जाएं और मुख्यमंत्री पद पर अनधिकृत रूप से बना रहे, तो यह विकल्प संविधान की अंतिम सुरक्षापंक्ति के रूप में उपलब्ध है। इस पूरी परिस्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पद पर अनधिकृत रूप से बैठे मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णयों की वैधता संदिग्ध हो जाती है। वह कोई बड़ी नीतिगत घोषणा नहीं कर सकता, कोई महत्वपूर्ण नियुक्ति नहीं कर सकता और राज्य के खजाने पर बड़े खर्च को स्वीकृति नहीं दे सकता। कार्यवाहक सरकार की भूमिका केवल दिन-प्रतिदिन के प्रशासन तक सीमित होती है। यदि वह इस सीमा का उल्लंघन करे, तो न्यायालय उन निर्णयों को निरस्त कर सकता है। अंत में यह स्वीकार करना होगा कि संविधान ने हर संकट के लिए एक उपाय रखा है – राज्यपाल का विवेकाधिकार, विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव, न्यायिक समीक्षा और राष्ट्रपति शासन। किंतु इन सबसे परे, लोकतंत्र को जीवित और स्वस्थ रखने की असली जिम्मेदारी नेताओं की व्यक्तिगत नैतिकता पर टिकी है। जब नेता स्वेच्छा से पराजय स्वीकार करते हैं और गरिमापूर्वक पद छोड़ते हैं, तब लोकतंत्र परिपक्व होता है। जब उन्हें बलपूर्वक हटाना पड़ता है, तब लोकतंत्र केवल जीवित रहता है। और जब वे हटते भी नहीं, तब लोकतंत्र मृत्युशय्या पर होता है। यह अंतर हमें याद रखना होगा – क्योंकि जनादेश का सम्मान ही असली लोकतंत्र की पहचान है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बंगाल चुनाव

इंदुशेखर तत्पुरुष (हि.स)

कल कार्ल मार्क्स का जन्मदिवस था और इधर भारत में उनसे प्रेरित राजनैतिक दल का बोरिया-बिस्तर एकमात्र बचे हुए प्रांत से भी उठ गया। दूसरी ओर भारत के सभी राजनैतिक दल (भाजपा को छोड़कर) जिस सामाजिक संगठन आरएसएस का विरोध करते रहे हैं, या कभी न कभी उसके विरुद्ध खड़े हुए, वह आज देशभर में अपना जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है। उसकी प्रेरणा से राजनीति में खड़े हुए दल भाजपा ने देश के कोने-कोने में अपनी पैठ बनाई है। बंगाल विजय तो कल का ही उदाहरण है। वस्तुतः इसकी वास्तविकता को जानने के लिए हमें एक सदी पूर्व के भारत में जाना होगा।

सन् 1925 में भारत में दो संगठनों की नींव रखी गई। एक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसका आरम्भ एक मेडिकल शिक्षा प्राप्त किये युवक ने नागपुर में 15-20 स्थानीय साथियों को लेकर किया। दूसरा संगठन संसारभर में विख्यात हो चुकी कम्युनिस्ट पार्टी का था, जिसका गठन कानपुर में देश के विभिन्न प्रांतों से एकत्र हुए सैकड़ों प्रबुद्ध लोगों ने किया। पार्टी के प्रेरणापुंज कार्ल मार्क्स की गणना विश्व के महानतम विचारकों में होती थी। सन 1917 की रूस की क्रांति की कीर्ति के कारण कम्यूनिस्ट पार्टी आरंभ में ही देशभर में चर्चित हो गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद तो रूस, चीन जैसी अंतरराष्ट्रीय महाशक्तियों का समर्थन भी उन्हें मिलने लगा था। देश के सभी प्रमुख संस्थानों पर साम्यवाद और समाजवाद की गहरी छाप थी। जबकि संघ को आरंभिक वर्षों में नागपुर से बाहर कोई नहीं जानता था। देश स्वाधीन होते ही उस पर न केवल प्रतिबंध लगा, सरकारों द्वारा संघ के कार्यकर्ताओं को निराधार लांछित और प्रताड़ित भी किया गया। आगे फिर प्रतिबंध लगाया गया। सबकी उपेक्षा, उपहास और तिरस्कार झेलते हुए भी संघ चुपचाप अपना कार्य करता रहा।

आज एक शताब्दी बाद हम देखते हैं कि सारी दुनिया को बदलने का दावा करने वाले, देश में क्रांति करके सत्ता प्राप्ति का स्वप्न देखने वाले कम्युनिस्ट एक कोने में सिमटकर रह गए। जबकि आज देश का ऐसा कोई कोना नहीं, जहां संघ का वर्चस्व नहीं, संघ की उपस्थिति नहीं। विचारणीय प्रश्न है कि यह जमीन-आसमान का अंतर कैसे संभव हुआ? संघ के निरंतर उत्कर्ष और उसके समान्तर कम्युनिज्म के निरंतर अपकर्ष के मूलभूत कारण क्या रहे? इस पर गहरा मंथन करना चाहिए।

वास्तव में किसी भी संगठन की ऐसी असाधारण उपलब्धि कार्यकताओं की निस्वार्थ कर्मनिष्ठा, समर्पण और त्याग के बिना संभव नहीं। यह सभागारों और विश्वविद्यालयों में बैठकर सिद्धांत बघारने से नहीं समाज में प्रत्यक्ष काम करने से हासिल होती है। कोरी बौद्धिकता झाड़ने से वैचारिक हलचल तो हो सकती है, किन्तु व्यक्ति का मन नहीं जुड़ता। वह जुड़ता है उनके बीच जाकर प्रत्यक्ष कार्य करने से, प्रेमपूर्ण व्यवहार से। व्यक्तियों के संगठन आंदोलकारी नारों से नहीं, नियमित संपर्क और सेवा कार्यों से निर्मित होते हैं।

मत भूलिए कि संघ ही एकमात्र ऐसा संगठन है जहाँ हजारों उच्च शिक्षा प्राप्त नवयुवक अपने सुखमय जीवन को ठोकर मारकर संघ के प्रचारक बन गए। आजीवन अविवाहित रहने का भीष्म संकल्प उन्होंने इसलिए लिया कि उनके जीवन का एकमात्र ध्येय संघ कार्य करना था। लाखों गृहस्थ प्रतिदिन कुछ न कुछ समय संगठन के लिए निकालते हैं।

इसलिए संघ सैद्धांतिक तर्क-वितर्क एवं शास्त्रार्थ के पचड़े में नहीं पड़ा। बनावटी बौद्धिक वातावरण बनाने में शक्ति खर्च नहीं करता। दिखावटी प्रचार के फंदे में नहीं फँसता। उसका स्पष्ट ध्येय है व्यक्ति को संस्कारित करना, समाज में सज्जनों की संगठित शक्ति खड़ा करना और समाज के बीच में प्रत्यक्ष उपस्थित होकर क्षमता अनुसार कार्य करना। उसके असधारण कार्यविस्तार एवं व्यापक जनस्वीकृति का यही एकमात्र आधार था।

इतिहास साक्षी है कि जिन्होंने तथाकथित वैचारिक क्रांतिकारी पैदा किए वे आपस में ही मार-काट में लग गए। सत्ता प्रतिस्पर्धा में पड़ गए। स्वयं को प्रतिष्ठापित करने में ही उनकी शक्ति चुक गई। किन्तु संघ ने व्यक्ति निर्माण की पाठशालाएं चलाई। व्यक्तियों को गढ़ने और जोड़ने की वे छोटी-छोटी पाठशालाएं आज विश्व का व्यक्ति निर्माण का सबसे बड़ा विश्विद्यालय बन गया।

ध्यान रखिए संघ हिन्दू संगठन है किन्तु संघ का कार्य केवल हिंदुओं के लिए नहीं संपूर्ण समाज के अभ्युदय के लिए है। समाज का अभ्युदय राष्ट्र के अभ्युदय के लिए है। और राष्ट्र का अभ्युदय केवल भारतवर्ष के लिए नहीं संपूर्ण विश्व के अभ्युदय के लिए है। पर यह तभी दिखाई देगा जब आप अपना राजनैतिक चश्मा उतारकर देखेंगे। भाजपा के चश्मे से देखेंगे तो भी नहीं दिखेगा। अपने व्यक्तिगत अथवा समूहगत लाभ-लोभ से ऊपर उठकर देखेंगे तभी दिखेगा।

भाजपा की बंगाल विजय के प्रत्यक्ष पचास कारण गिनाए जा सकते हैं। निस्संदेह भारतीय जनता पार्टी ने प्राणांतक संघर्ष किया हैं, सैकड़ों राजनैतिक कार्यकताओं ने बलिदान किया है, लाखों लोगों का पसीना बहा है। किन्तु इस विराट परिवर्तन के पीछे संघ के स्वयंसेवकों की सतत साधना को मत भूलिए। आज स्वतंत्रता प्राप्ति के आठ दशक बाद पहली बार बंगाल में भगवा लहराया है, तो निश्चित मानिये कल केरल और तमिलनाडु की बारी है। क्योंकि संघकार्य राजनीति प्रेरित तात्कालिक कार्य नहीं राष्ट्रनीति प्रेरित अनवरत चलने वाला कार्य है, जिसका लक्ष्य सत्ता प्राप्ति नहीं व्यक्ति एवं राष्ट्र निर्माण है।

(लेखक वरिष्ठ स्तम्भकार एवं राष्ट्रीय पत्रिका 'साहित्य परिक्रमा' के संपादक हैं)

स्वदेशी शक्ति से वैश्विक होता भारत का रक्षा क्षेत्रः अहम है डीआरडीओ का योगदान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत का रक्षा क्षेत्र आज वहां आ पहुंचा है, जहां तकनीक, अनुसंधान और स्वदेशी क्षमताएं राष्ट्रीय शक्ति का नया आधार बनती जा रही हैं। हाल के वर्षों में सरकार ने रक्षा अनुसंधान को नीति के केंद्र में स्थापित किया है, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था अधिक सशक्त, आधुनिक और आत्मनिर्भर बन रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा व्यक्त विचार इस दिशा में स्पष्ट संकेत देते हैं कि आने वाला समय तकनीकी श्रेष्ठता का होगा और भारत इस दौड़ में पीछे रहने वाला देश नहीं है।

वस्तुतः आज केंद्र सरकार द्वारा रक्षा अनुसंधान एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना एक दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा अब तक 2,200 से अधिक तकनीकों का उद्योगों को हस्तांतरण इस बात का प्रमाण है कि देश में शोध और उत्पादन के बीच मजबूत पुल तैयार हो चुका है। इस प्रक्रिया ने रक्षा उत्पादन को गति दी है और निजी क्षेत्र को भी नए अवसर प्रदान किए हैं। अनुसंधान पर निरंतर ध्यान बनाए रखना भविष्य के युद्धों में बढ़त दिलाने वाला कारक बन सकता है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों, अकादमिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के लिए निर्धारित किया जाना एक क्रांतिकारी पहल है। इन संस्थाओं द्वारा 4,500 करोड़ रुपए से अधिक का उपयोग यह दशार्ता है कि देश में नवाचार की ऊर्जा तेजी से बढ़ रही है। इससे एक ओर जहां नई तकनीकों का विकास संभव हुआ है, वहीं युवाओं को भी रक्षा क्षेत्र में योगदान देने का अवसर मिला है।

नई टेक्नोलॉजी ट्रांसफर नीति के तहत शुल्क समाप्त करना उद्योगों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन साबित हुआ है। इससे विकास और उत्पादन में साझेदारी को बढ़ावा मिला है। साथ ही पेटेंट्स को मुफ्त उपलब्ध कराने की नीति ने तकनीकी विकास को नई गति दी है। परीक्षण सुविधाओं को उद्योगों के लिए खोलना भी सहयोगात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यही कारण है कि भारत अब डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स, हाइपरसोनिक हथियार, क्वांटम तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये तकनीकें भविष्य के युद्धों की दिशा तय करेंगी। इन क्षेत्रों में निवेश और अनुसंधान भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं। हमने पिछले साल देखा भी है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में स्वदेशी तकनीकों का सफल उपयोग देश की बढ़ती सैन्य क्षमता को दशार्ता है। आकाशतीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियां इस बात का प्रमाण हैं कि भारत अब आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यह उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

इसके साथ ही कहना होगा कि भारत के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा उत्पादन का 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। रक्षा निर्यात का 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। पिछले एक दशक में 174 प्रतिशत की वृद्धि और निर्यात में कई गुना विस्तार देश की बदलती पहचान को दशार्ता है। जिसमें कि रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र का लगभग 15,000 करोड़ रुपए का योगदान इस क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दर्शा रहा है। अब रक्षा निर्माण सरकारी संस्थानों की पहुंच से आगे उद्योगों और स्टार्टअप्स की सक्रियता में एक व्यापक इकोसिस्टम बन चुका है।

स्वभाविक तौर पर इससे नवाचार और प्रतिस्पर्धा दोनों को बढ़ावा मिला है। आज इनोवेशंस फॉर डिफेंस एक्सीलेंस, एडीआईटीआई और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड जैसी योजनाएं रक्षा क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार कर रही हैं। इन पहलों ने युवाओं और उद्यमियों को रक्षा तकनीकों के विकास में भाग लेने का अवसर दिया है। इससे देश में नवाचार की संस्कृति मजबूत हो रही है।

ऐसे में यह भी ध्यान में आता है कि भारत का लक्ष्य अब तकनीकी संप्रभुता हासिल करना है, जिसमें महत्वपूर्ण तकनीकों का विकास, स्वामित्व और संरक्षण देश के भीतर ही हो। क्वांटम-सिक्योर कम्युनिकेशन जैसी उपलब्धियां इस दिशा में बड़ी प्रगति को दशार्ती हैं। यह क्षमता भविष्य के युद्धों में निर्णायक साबित हो सकती है। बजट 2026-27 में रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपए का आवंटन सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है, जोकि रक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगी।

अतः हम सभी के लिए आज गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की रक्षा यात्रा एक ऐसे मुकाम पर पहुंच चुकी है, जहां आत्मनिर्भरता, तकनीकी श्रेष्ठता और वैश्विक पहचान एक साथ आकार ले रही हैं। यह परिवर्तन हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह तो हम सभी जानते हैं कि देश का रक्षा क्षेत्र सुरक्षा का प्रतीक है, किंतु कहना होगा कि इस दिशा में हो रहे नवाचार आज शक्ति और आत्मविश्वास का भी प्रतिनिधित्व करते हुए दिखाई देते हैं, जोकि हर भारतीय को आशा और उत्साह से भर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल 2026 : परिवर्तन की राजनीति नहीं, ये विचार-तप की ऐतिहासिक परिणति

कैलाश चन्द्र (हि.स)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम भारत की राजनीति में केवल संख्यात्मक उलटफेर नहीं हैं; वे उन अदृश्य धाराओं का सतही प्रकट रूप हैं जिनकी गति दशकों से इस प्रदेश की मिट्टी में प्रवाहित हो रही थी। 294 सीटों वाले इस राज्य में दो चरणों- 23 और 29 अप्रैल में हुए मतदान ने 92.93 प्रतिशत का अभूतपूर्व जनसहभाग दर्ज कराया, और 4झ 5 मई को आए परिणामों ने लगभग असंभव प्रतीत होने वाला परिदृश्य रचा। भारतीय जनता पार्टी लगभग 206 सीटों पर विजय या बढ़त के साथ स्पष्ट बहुमत प्राप्त करती है, जबकि तृणमूल कांग्रेस 81 के आसपास सिमट जाती है।

यदि इस घटना को केवल राजनीतिक गणित के संदर्भ में पढ़ा जाए, तो यह विश्लेषण अधूरा रह जाएगा। क्योंकि बंगाल में सत्ता-परिवर्तन सामान्यतः राजनीतिक रणनीतियों से नहीं, सांस्कृतिक चेतना के परिवर्तन से होता है और 2026 का यह जनादेश, वस्तुतः, उसी चेतना के पुनरुत्थान की कथा कहता है।

बंगाल ने कभी केवल राजनीतिक बदलाव नहीं देखे; उसने वैचारिक हलचलों को जन्म दिया है। यह वह भूमि है जिसने राजा राममोहन राय के सामाजिक नवजागरण, स्वामी विवेकानंद के आत्मजागरण, बंकिमचंद्र के राष्ट्रजागरण, श्री अरविन्द के आध्यात्मिक-राजनीतिक दृष्टिकोण और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के अदम्य राष्ट्र-नेतृत्व को जन्म दिया, इसलिए बंगाल में विचार की आहट, अक्सर राजनीति के कदमों से पहले सुनाई देती है। 2026 का परिणाम इसी गहरे अंतःसंचरण का संकेतक है। वस्तुतः एक ऐसा संचरण जो न किसी दल विशेष की तात्कालिक रणनीति से बना, न किसी नेता की व्यक्तिगत लोकप्रियता से; बल्कि उस दीर्घ सांस्कृतिक-सामाजिक तप से, जिसे लाखों स्वयंसेवकों, शिक्षकों, विचारकों, छात्रों, किसानों और गृहस्थों ने दशकों तक ऋषिझ्धैर्य के साथ साधा।

इन दशकों में वाम मोर्चे का शासन रहा, उसके बाद तृणमूल कांग्रेस का प्रभुत्व। परंतु राजनीतिक सत्ता जहाँ ऊपर बदलती रही, वहीं समाज की गहराइयों में कोई अन्य कथा शांत गति से अपना पथ बना रही थी। सांस्कृतिक राष्ट्रभावना से प्रेरित कार्यकताओं की यह कथा किसी अखबार की सुर्खियों में नहीं थी, उनके कार्यों के होर्डिंग नहीं लगे, वे टीवी बहसों में नजर नहीं आए। फिर भी वे गांवों के चौपालों में, कस्बों के विद्यालयों में, आदिवासी बस्तियों में, पुस्तकालयों और संस्कार केन्द्रों में, योग-प्रार्थना समूहों में, और चाय की दुकानों पर होने वाली सहज संवादझ परंपरा में अपनी जड़ों को फैलाते रहे।

इस परिश्रम का स्वरूप राजनीतिक नहीं था; वह मन-निर्माण की प्रक्रिया थी, इतनी धीमी कि उसके परिणाम झटके से दिखाई नहीं देते, इतनी गहरी कि जब दिखाई देते हैं तो परिदृश्य ही बदल गया होता है। उनका काम मतदाता बनाना नहीं था; वे मानदाता तैयार कर रहे थे। ऐसे नागरिक, जिनका मन स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो, जो भय या प्रलोभन से प्रभावित न हों, और जो समाज के दीर्घकालिक हितों को राजनीतिक तात्कालिकता से ऊपर रख सकें।

2026 के चुनावों से तीन या छह महीने पहले शुरू किए जाने वाले संपर्क-प्रयास इस परिवर्तन को नहीं घड़ सकते थे। यह जनादेश वर्षों, कभी-कभी दशकों से चल रहे संवाद, सेवा, संस्कार और अध्ययन की उस परंपरा का परिणाम है जिसे प्रतिदिन हजारों स्थानों पर दोहराया गयाः शाखाओं में प्रार्थना और व्यायाम, बौद्धिक सत्रों में राष्ट्रीय विचार का पुनर्पाठ, सेवा-बस्तियों में चिकित्सा शिविर, पुस्तकालयों में भारतीय साहित्य का अध्ययन, युवाझ कार्यक्रमों में नेतृत्व का प्रशिक्षण, और मातृ-शक्ति के जागरण के लिए चलाए गए अभियान। बाढ़, चक्रवात और महामारी जैसी आपदाओं में इन स्वयंसेवकों ने जब सबसे पहले राहत पहुँचाई, तब उनकी बातों में विश्वास का आधार भी निर्मित हुआ।

राजनीतिक विश्लेषण भले यह कहे कि भाजपा का वोट-शेयर 45.85 प्रतिशत तक पहुँचा और टीएमसी में 7.22 प्रतिशत की गिरावट आ गयी, परंतु जनमानस की दृष्टि से यह बदलाव सूखते तालाब में अचानक उभर आए पानी का नहीं, बल्कि भूमिगत जलस्रोतों के पुनर्जीवित होने का संकेत है। राजनीतिक दलों ने जहाँ मुद्दों- हिंसा, भ्रष्टाचार, सन्देशखली प्रकरण, आरजीकर मेडिकल केस, रोजगार, अवैध घुसपैठ पर अपनी राजनीति की, वहीं समाज के भीतर चल रही चेतना ने इन मुद्दों की व्याख्या एक व्यापक सांस्कृतिक–परिप्रेक्ष्य में की।

इस जनादेश को मनोवैज्ञानिक धरातल पर देखें तो बंगाल एक थकान की अवस्था से निकलकर स्थिरता की ओर बढ़ना चाहता था; सांस्कृतिक धरातल पर देखें तो वह अपनी मूल जड़ों ह्यभारतीयता की स्मृतिह्न से पुनः जुड़ने का अवसर खोज रहा था; संगठनात्मक परिप्रेक्ष्य से देखें तो यह घर-घर संपर्क का नहीं, बल्कि घर-घर संबंध का परिणाम था; और वैचारिक धरातल पर देखें तो 2026 में सत्ता नहीं, सत्ता-समर्थ विचार विजयी हुआ।

अक्सर कहा जाता है कि किसी भी चुनावी विजय को अंतिम सिद्धि मान लेना भूल है। यह बात इस संदर्भ में और भी सत्य है। 2026 का परिणाम किसी विचारधारा की परिपूर्ण विजय नहीं, बल्कि उसके दीर्घ साधनाझमार्ग की प्रथम उपलब्धि है। इस विजय का स्वर क्रोध का नहीं; यह आत्मजागरण का स्वर है। यह बदले का उभार नहीं, बल्कि समन्वय की पुनर्स्थापना है; यह चुनावी लहर नहीं, विचारझतप की परिणति है।

अब चुनौती यह है कि सत्ता का उपयोग सत्ता-स्थापन के लिए नहीं, समाज-निर्माण की दिशा में हो—शिक्षा में सुधार, युवाओं के चरित्र-निर्माण, बंगालीझभारतीय संस्कृति के रचनात्मक उत्थान, जनजातीय और पिछड़े समुदायों में आत्मगौरव का पोषण, विज्ञान और उद्योग को गति, रोजगार के अवसर, सीमा-पार असुरक्षा पर नियंत्रण और समाज में धार्मिक-सांस्कृतिक एकात्मता की सुदृढ़ता। वास्तविक विजय तो तब होगी जब बंगाल पुनः वह भूमिका निभाए, जो उसने 19वीं और 20वीं सदी में निभाई थी—राष्ट्र के वैचारिक नेतृत्व की।

2026 का जनादेश अंततः यह स्पष्ट संदेश देता है कि बंगाल का परिवर्तन बदले की राजनीति का परिणाम नहीं है। यह भारतीयता के पुनर्जागरण की वह मौन, किंतु प्रचंड लहर है जिसे वर्षों की साधना का बल मिला है। यह उस विचार का उदय है जो सत्ता की सीढ़ियों से नहीं, समाज की नसों से उठता है। यह किसी एक दल या संगठन की सफलता नहीं; बल्कि उन लाखों अनाम स्वयंसेवकों के श्रम, त्याग और तप का फल है, जो बिना नाम चाहे, बिना पद की इच्छा, बिना प्रचार की आकांक्षा, प्रत्येक दिन समाज को संस्कारित करने में लगे रहे।

अंत में यही कि इतिहास अक्सर नेताओं को याद रखता है, पर इतिहास बदलता उन लोगों के कारण है, जिन्हें इतिहास याद नहीं रखता। 2026 में बंगाल ने एक बार फिर यही सत्य सिद्ध किया है।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं)

आज का राशिफल

मेषः आज पारिवारिक चिंताएं कम होंगी और मन हल्का महसूस करेगा। साझेदारी में किए गए कार्यों से लाभ मिलने की संभावना है। जीवनसाथी की ओर से कोई सुखद उपहार मिल सकता है। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर गंभीर रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः दिन की शुरूआत थोड़ी तनावपूर्ण हो सकती है। मधुमेह से पीड़ित लोगों को खानपान और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आ सकता है, इसलिए संयम बनाए रखें। तेज धूप में बाहर निकलने से बचें, सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः आज का दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला है। मार्केटिंग और कम्युनिकेशन से जुड़े कार्यों में अच्छा लाभ मिलेगा। आप अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन करेंगे। संतान के करियर से जुड़ी परेशानियां दूर होंगी। जीवनसाथी की सलाह से काम करना फायदेमंद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः परिवार के साथ घूमने-फिरने की योजना बन सकती है। पैरों में जकड़न या थकान महसूस हो सकती है, इसलिए पर्याप्त पानी पिएं। दूसरों पर अपने विचार थोपने से बचें। घर का माहौल सुखद रहेगा। लेखन या रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को नए विचार मिल सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः नए व्यापारिक समझौते आपके लिए लाभकारी साबित होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में रोमांटिक पल बिताने का अवसर मिलेगा। आपके कार्य और व्यवहार की सराहना होगी। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आज कुछ काम बनते-बनते बिगड़ सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। ऑनलाइन खरीदारी में अधिक खर्च होने की संभावना है। छिपे हुए विरोधियों से सावधान रहें। नए कार्यों को गंभीरता से लें। जीवनसाथी के साथ व्यवहार में नम्रता बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः आपको वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है। सभी क्षेत्रों में प्रगति देखने को मिलेगी। मित्रों के साथ संबंध मधुर रहेंगे। प्रेम संबंधों में चल रहा तनाव दूर होगा। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आज आप दूसरों की समस्याओं को सुलझाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यदि आपने किसी से उधार लिया है, तो उसे चुकाने का समय आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को विदेश से अवसर मिल सकते हैं। रुके हुए कार्य पूरे करने में अतिरिक्त खर्च हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि होने के संकेत हैं। आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा और परिवार में आपका सम्मान बढ़ेगा। कमीशन से जुड़े कार्यों में लाभ मिलेगा। सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकरः कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी के कारण मन खिन्न हो सकता है। व्यापार में मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। पर्याप्त आराम करना जरूरी है। दिखावे और आडंबर से दूरी बनाकर रखें। नया काम शुरू करने में जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य संबंधी खर्च बढ़ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज का दिन व्यस्तता भरा रहेगा। अधिकारियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होंगी। अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। नए व्यवसाय की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। *(सिटी दर्पण)*

मीनः कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। सोशल मीडिया पर अनावश्यक संपर्क से बचें, समय की बबार्दी हो सकती है। उधार दिया गया पैसा वापस मिल सकता है। आप अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

मूर्ख बगुला और नेवला

जंगल के एक बड़े वट-वृक्ष की खोल में बहुत से बगुले रहते थे। उसी वृक्ष की जड़ में एक साँप भी रहता था। वह बगलों के छोटे-छोटे बच्चों को खा जाता था।

एक बगुला साँप द्वार बार-बार बच्चों के खाये जाने पर बहुत दुःखी और विरक्त सा होकर नदी के किनारे आ बैठा।

उसकी आँखों में आँसू भरे हुए थे। उसे इस प्रकार दुःखमग्न देखकर एक केकड़े ने पानी से निकल कर उसे कहा :-'मामा ! क्या बात है, आज रो क्यों रहे हो ?'

बगुले ने कहा - 'भैया ! बात यह है कि मेरे बच्चों को साँप बार-बार खा जाता है। कुछ उपाय नहीं सूझता, किस प्रकार साँप का नाश किया जाय। तुम्हीं कोई उपाय बताओ।'

केकड़े ने मन में सोचा, 'यह बगला मेरा जन्मवैरी है, इसे ऐसा उपाय बताऊंगा, जिससे साँप के नाश के साथ-साथ इसका भी नाश हो जाय।' यह सोचकर वह बोला -

'मामा ! एक काम करो, मांस के कुछ टुकडे.लेकर नेवले के बिल के सामने डाल दो। इसके बाद बहुत से टुकड़े उस बिल से शुरू करके साँप के बिल तक बखेर दो। नेवला उन टुकड़ों को खाता-खाता साँप के बिल तक आ जायगा और वहाँ साँप को भी देखकर उसे मार डालेगा।'

करने से पहले सोचो प्त क्रेन और नेवला

बगुले ने ऐसा ही किया। नेवले ने साँप को तो खा लिया किन्तु साँप के बाद उस वृक्ष पर रहने वाले बगुलों को भी खा डाला।

बगुले ने उपाय तो सोचा, किन्तु उसके अन्य दुष्परिणाम नहीं सोचे। अपनी मूर्खता का फल उसे मिल गया।

बेअदबी विरोधी कानून लागू होने के बाद मान ने श्री आनंदपुर साहिब से 'शुक्राना यात्रा' का किया नेतृत्व

श्री आनंदपुर साहिब से शुरू हुई चार दिवसीय 'शुक्राना यात्रा' 9 मई को श्री फतेहगढ़ साहिब में होगी समाप्त

सिटी दर्पण संवाददाता
श्री आनंदपुर साहिब

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां तख्त श्री केसगढ़ साहिब में माथा टेकने के बाद पूरे उत्साह के साथ 'शुक्राना यात्रा' शुरू की। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस की मौजूदगी में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह यात्रा परमात्मा का शुक्राना करने के लिए की जा रही है, जिसने उन्हें बेअदबी के मामलों में सख्त सजा की व्यवस्था करने वाला जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) एक्ट 2026 लागू करके मानवता की सेवा करने का अवसर बख्शा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, जिस पवित्र धरती पर खालसा पंथ प्रकट हुआ था, उससे 'शुक्राना यात्रा' शुरू हुई है। बेअदबी रोकने के लिए सख्त कानून बनाने की पवित्र जिम्मेदारी हमें बख्शने के लिए गुरु साहिब के चरणों में शुक्राना किया जा रहा है। पंजाब की शांति और 'सर्बत्त के भला' के लिए अरदासें जारी रहेंगी। पवित्र तख्त साहिब में माथा टेकते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मेरा रोम-रोम परमात्मा का ऋणी है कि उसने मुझे जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) एक्ट 2026 लागू करके मानवता की सेवा करने का अवसर बख्शा। हम भाग्यशाली हैं कि हमें इस ऐतिहासिक कानून को पास करने की जिम्मेदारी मिली, जो भविष्य में बेअदबी की घटनाओं को खत्म करने में मददगार होगा। उन्होंने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी एक गहरी साजिश का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य पंजाब की शांति, भाईचारक साझ और एकता को तोड़ना था। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह एक्ट यह सुनिश्चित करता है कि इस अक्षम्य अपराध के दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को माफ नहीं किया जाएगा और इस घिनौने अपराध के दोषियों को अनुकरणीय सजा दी जाएगी। यह कानून निवारक के रूप में काम करेगा और भविष्य में कोई भी ऐसा गुनाह करने की हिम्मत नहीं करेगा।

सिखों की श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के साथ आध्यात्मिक साझ पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हर सिख के लिए पिता के समान हैं और इसकी पवित्रता की रक्षा करना हमारा

कर्तव्य है। दुनिया भर के लोग इस ऐतिहासिक कदम पर खुशी प्रकट कर रहे हैं और धन्यवाद कर रहे हैं।

शुक्राना यात्रा के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री आनंदपुर साहिब के बाद वे 9 मई तक तख्त श्री केसगढ़ साहिब, श्री अकाल तख्त साहिब, श्री दमदमा साहिब, मस्तुआणा साहिब, गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब और श्री फतेहगढ़ साहिब में नतमस्तक होंगे। उन्होंने अत्यधिक गर्मी के बावजूद यहां एकत्रित हुए लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस यात्रा का एकमात्र मंतव्य इस महत्वपूर्ण एक्ट को पास करने के लिए ताकत और बख्शने के लिए परमात्मा का शुक्राना करना है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हम तो एक माध्यम हैं, जिसे गुरु साहिब ने यह पवित्र जिम्मेदारी निभाने के लिए चुना है। मैं इस एक्ट को पास करने वाला कोई नहीं हूं। गुरु साहिब ने खुद यह सेवा मुझसे ली है। परमात्मा ऐसी सेवा सिर्फ उन्हीं को सौंपता है, जिन्हें उसने खुद चुना होता है। मैं गुरु साहिब का एक विनम्र सेवक हूं, जिसे यह कार्य सौंपा गया है।

उन्होंने आगे कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोग लंबे समय से बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए ऐसे कानून की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इस एक्ट का एकमात्र उद्देश्य पिछली सरकारों की लापरवाही के कारण लोगों की अशांत हुई भावनाओं को शांत करना है। इस कानून के पीछे कोई भी राजनीतिक मंतव्य नहीं है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि दुनिया भर के लोग इस पहल के लिए हमारा धन्यवाद करने के लिए रोजाना फोन कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि कुछ व्यक्ति इस एक्ट का विरोध सिर्फ इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उनके राजनीतिक आका नाखुश हैं। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग अपने निजी हितों के लिए इस पवित्र मुद्दे पर भी राजनीति कर रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें जल्दी अपने गुनाहों के नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे साहिबजादों की शहादत आने वाली पीढ़ियों को अत्याचार, बेइंसाफी और दमन के खिलाफ जूझने के लिए प्रेरित करती रहेगी। श्री आनंदपुर साहिब के ऐतिहासिक महत्व का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, इस पवित्र धरती पर श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने 13 अप्रैल 1699 को खालसा पंथ प्रकट किया था, जो इतिहास को नया मोड़ देने वाली घटना थी। इसी दिन हमारी सरकार ने बेअदबी के खिलाफ ऐतिहासिक कानून पास किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी चेताया कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350 साला शहीदी दिवस के अवसर पर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र श्री आनंदपुर साहिब में बुलाया गया। उन्होंने कहा कि इतिहास में यह पहला अवसर है, जब पंजाब विधानसभा गुरु साहिब के चरणों में नतमस्तक हुई। इस विशेष सत्र के दौरान विधानसभा ने अमृतसर, तलवंडी साबो और श्री आनंदपुर साहिब को पवित्र शहर का दर्जा देने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया। पंजाब में सिखी के आध्यात्मिक महत्व को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सिखों के पांच तख्तों में से तीन - श्री अकाल तख्त साहिब (अमृतसर), श्री दमदमा साहिब (तलवंडी साबो) और तख्त श्री केसगढ़ साहिब (श्री आनंदपुर साहिब) - पंजाब में पड़ते हैं। उन्होंने कहा, लोगों की लंबे समय से लटकती मांग को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार ने इन शहरों को पवित्र शहर का दर्जा दिया है। इन शहरों के समग्र विकास के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी और इस कार्य के लिए फंडों की कोई कमी नहीं है। यात्रा के दौरान कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और कई अन्य हस्तियां भी मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री ने जेसीटी मिल फगवाड़ा को फिर से शुरू करने की घोषणा की, दोआबा को मिलेगा बढ़ावा

सिटी दर्पण संवाददाता
फगवाड़ा

दोआबा क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज दुनियाभर में प्रसिद्ध जे.सी.टी. मिल फगवाड़ा को फिर से शुरू करने की घोषणा करते हुए कहा कि दोआबा का दिल कही जाने वाली इस मिल के चालू होने से जहां आर्थिक गतिविधियों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, वहीं युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

अपनी शुक्राना यात्रा के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मेरे पास सभी पंजाबियों, खासकर फगवाड़ा के लोगों के लिए खुशखबरी है कि प्रसिद्ध जे.सी.टी. मिल जल्द ही कामकाज फिर से शुरू करेगी। उत्पादन फिर से शुरू होने पर इस मिल की पुरानी शान को बहाल किया जाएगा, जिससे दोआबा के औद्योगिक विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। पंजाब को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नक्शे पर फिर से उभारने के लिए जे.सी.टी. की फुटबॉल टीम को भी पुनर्जीवित किया जाएगा। एक पंजाबी उद्यमी ने जे.सी.टी. मिल की संपत्तियां खरीदी हैं, और कोई भी इजाजत देने से पहले, हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रत्येक कर्मचारी का बकाया वेतन और अन्य रहती भुगतान का भुगतान किया जाना चाहिए और श्रमिकों के बकाए के एक-एक पैसे का निपटारा किया जाएगा।

गन्ना उत्पादकों और मजदूरों के बकाए को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, गन्ना किसानों के बकाया भुगतान का मसला भी हल किया जाएगा। जो लोग विदेश भाग गए हैं, उनकी संपत्तियां सरकार द्वारा कुर्क कर ली गई हैं और किसानों के बकाए का भुगतान करके इन संपत्तियों को नीलाम किया जाएगा। राज्य सरकार के पास हर किसान और हर बकाया भुगतान का रिकॉर्ड है। मैं किसी को भी उनके साथ धोखा नहीं करने दूंगा और समाज के हर वर्ग के हितों की रक्षा की जाएगी।

लोगों के भरपूर समर्थन और कानूनी सुधारों के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, अत्यधिक गर्मी के बावजूद फगवाड़ा में हुई विशाल सभा राज्य सरकार और इसकी नीतियों के प्रति लोगों के भारी समर्थन को दशार्ती है। भगवान की कृपा से मुझे श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी को रोकने के लिए बहुत सख्त कानून बनाकर लोगों की सेवा करने का अवसर मिला है। पहले, कानून में बहुत सारी कमियां थीं और लोग मानसिक रूप से अस्थिर या बीमार होने का दिखावा करके बच जाते थे। अब, बेअदबी के दोषियों को अनुकरणीय सजा दी जाएगी, जबकि पिछली सरकारें ऐसा कानून बना सकती थीं लेकिन उनकी नीयत बेईमान थी।

विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ चेतावनी देते हुए उन्होंने आगे कहा, कुछ राजनीतिक पार्टियां धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति समुदायों में विभाजन पैदा करने और फिर वोटों के लिए दोनों पक्षों को भयभीत करने के इर्द-गिर्द घूमती है और लोगों को इससे सावधान रहना चाहिए। पंजाब को ऐसी ताकतों को पूरी तरह से नकारना चाहिए क्योंकि राज्य पहले ही पिछले समय में काले दिन देख चुका है जिन्होंने इसके विकास को पटरी से उतार दिया था।

उन्होंने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित आयोजनों का आयोजन करने का अवसर मिला है। राज्य सरकार श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को पूरी श्रद्धा-भावना से मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह हमारा साझा कर्तव्य है कि भेदभाव से मुक्त तथा समानता के समाज के गुरु रविदास महाराज जी के दर्शन को हम दुनियाभर में पहुंचाएं।

मुख्यमंत्री ने समारोहों की तैयारियों का विवरण देते हुए कहा, सर्वहितकारी और समाज के सभी वर्गों की समानता का संदेश देने वाले श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की योजना बनाई है। उन्होंने एक आदर्श समाज की अवधारणा रखी थी, जहां कोई भी दुख-दर्द न हो और राज्य सरकार ने इस अवसर को विश्व स्तर पर बड़ी श्रद्धा तथा उत्साह के साथ मनाने के लिए संत समाज से आशीर्वाद और सुझाव मांगे हैं। यह बहुत गर्व की बात है कि ये उत्सव मेरे कार्यकाल के दौरान मनाए जा रहे हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ये संत समाज के मार्गदर्शन से पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाए जाएं।

इस अवसर पर लोकसभा सदस्य डॉ. राजकुमार चब्बेवाल, वरिष्ठ आप नेता हरनूर सिंह हरजी मान और अन्य भी उपस्थित थे।

केंद्र सरकार मंडियों में जगह की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी सहयोग नहीं दे रही : लाल चंद कटारूचक्क

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अनाज भंडारण संबंधी जगह की कमी के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पंजाब के खाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब की मंडियों में जगह की कमी के मुख्य मुद्दे को हल करने के लिए जरूरी सहयोग नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह मुद्दा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा काफी समय से केंद्र सरकार के समक्ष लगातार उठाया जा रहा है।

केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को अप्रैल और मई 2026 के महीनों के दौरान अनाज की निकासी के लिए 860 विशेष रेलगाड़ियां आवंटित करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन एफसीआई द्वारा जरूरी संख्या में ये रेलें उपलब्ध नहीं कराई गईं,

जिसके कारण एक हफ्ते में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं की भारी आमद के चलते मंडियों में फसल के ढेर लगने जैसी स्थिति पैदा हो गई है।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि अप्रैल के दौरान केवल 3.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं ही रेल /सड़क/कंटेनरों के माध्यम से मंडियों से सीधे लिफ्टिंग की गयी है। उन्होंने कहा कि मई 2026 की शुरूआत से अब तक अनाज की सीधी डिलीवरी के लिए रोजाना केवल तीन से पांच विशेष रेलगाड़ियां ही उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उपरोक्त स्थितियों के बावजूद खाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले विभाग ने निर्विघ्न खरीद सीजन सुनिश्चित किया है और 122 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं की खरीद का लक्ष्य पूरा होने के करीब है।

उन्होंने बताया कि अब तक मंडियों में 121.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं पहुंचा है, जिसमें से 120.89 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। खरीदी गई गेहूं में से कल देर शाम तक विभिन्न सरकारी एजेंसियों ने 119.56 लाख मीट्रिक टन जबकि व्यापारियों ने 1,33,203.15 मीट्रिक टन खरीदा है। विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार किसान भाईचारे द्वारा मेहनत से पैदा किए गए अनाज का एक-एक दाना खरीदने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि वे खरीद कार्यों की समीक्षा के लिए पूरे राज्य की मंडियों का व्यक्तिगत रूप से दौरा कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्विघ्न खरीद सीजन को निपटाने में कोई दिक्कत या परेशानी न आए। भुगतान के मामले में 29,000 करोड़ रुपये से अधिक की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की राशि पहले ही किसानों के खातों में ट्रांसफर कर दी गई है।

एस.सी. आयोग द्वारा सू मोटो नोटिस लेते हुए डायरेक्टर और नोडल अफसर जनगणना पंजाब तलब

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

> पंजाब के नोडल अफसर मनजीत सिंह बराड़ को आयोग कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से तलब किया

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने जनगणना संबंधी फॉर्मों में वाल्मीकि और मजहबी भाईचारे के लिए गैर-सामाजिक शब्दों के प्रयोग के मामले में सू मोटो कार्रवाई करते हुए जनगणना कल्याण विभाग पंजाब के डायरेक्टर और राज्य नोडल अफसर को तलब किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन सरदार जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि वाल्मीकि और मजहबी भाईचारे के लिए गैर-सामाजिक शब्दों के प्रयोग का मामला सोशल मीडिया और अखबारों के माध्यम से उनके संज्ञान में आया है।

जिसके संबंध में आयोग ने सू मोटो नोटिस लेते हुए दिनांक 13-05-2026 को डॉ. नवजोत खोसा, डायरेक्टर जनगणना कल्याण विभाग पंजाब तथा जनगणना कल्याण विभाग पंजाब के नोडल अफसर मनजीत सिंह बराड़ को आयोग कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से तलब किया गया है।

पंजाब पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से संवेदनशील युवाओं की पहचान कर उन्हें सही दिशा की ओर मोड़ा जा रहा है

पंजाब पुलिस के युवा सांझ कार्यक्रम ने 2,358 भटके हुए युवाओं की ऑनलाइन पहचान कर उन्हें गैंगस्टरों के प्रभाव में आने से बचाया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कम्युनिटी पुलिसिंग को अगले स्तर पर ले जाते हुए पंजाब पुलिस ने अपने युवा सांझ कार्यक्रम के तहत भटके हुए युवाओं तक पहुंच को और तेज किया है। यह पहल गैंगस्टरों पर वार अभियान के तहत संगठित अपराध के खिलाफ चल रही कार्रवाई के साथ-साथ एक अहम भूमिका निभा रही है। जनवरी से अब तक, कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन (सी.ए.डी.) की स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस गुरप्रीत कौर देओ के नेतृत्व में कई बैठकें आयोजित की गई हैं, जिनका उद्देश्य अधिकारियों और सामुदायिक भागीदारों को कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के बारे में जागरूक करना है।

गैंगस्टरों ते वार के निवारक पहलू के रूप में स्थापित यह कार्यक्रम युवाओं को आतंकवाद, गन कल्चर, नशाखोरी और अन्य नकारात्मक प्रभावों से दूर रखने के लिए सकारात्मक विकल्प प्रदान करता है। पिछले चार महीनों में पांच संवाद सत्र आयोजित किए गए हैं और अगले आठ महीनों में 11 और सत्र आयोजित करने की योजना है, ताकि इसकी पहुंच का दायरा और बढ़ाया जा सके।

इस पहल के तहत पंजाब पुलिस सामुदायिक स्तर पर उन युवाओं की पहचान करती है, जो ऑनलाइन आतंकवाद, हिंसा या गैंगस्टर संस्कृति से प्रभावित हो सकते हैं। अब तक 2,358 युवाओं की पहचान सोशल मीडिया विश्लेषण के माध्यम से की गई है, जिनमें से 1,519 की प्रोफाइल राज्य स्तरीय युवा सांझ सॉफ्टवेयर पर तैयार की गई हैं।

पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ

पुलिस गौरव यादव ने कहा, पंजाब पुलिस एक संतुलित दो-आयामी रणनीति पर काम कर रही है—गैंगस्टरों ते वार के माध्यम से सख्त कार्रवाई और युवा सांझ के माध्यम से लगातार संपर्क व निगरानी। मनोवैज्ञानिक प्रोफाइलिंग, संरचित काउंसलिंग और परिवार की भागीदारी इस पहल का आधार हैं। जिन मामलों में गहन हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है, उन्हें उप-मंडल स्तर के सामुदायिक केंद्रों को भेजा जाता है ताकि निरंतर देखभाल सुनिश्चित की जा सके। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है—अपराधी नेटवर्क को तोड़ना और युवाओं को उनसे दूर रखना।

अब तक 1,490 युवाओं को जागरूक किया गया है, जबकि 1,109 ने काउंसलिंग सत्रों में भाग लिया है। कुल मिलाकर 1,836 युवाओं की जिला खुफिया इकाइयों द्वारा काउंसलिंग की गई है, जबकि जिला टीमों द्वारा 522 अन्य ऐसे युवाओं की पहचान की गई है।

जमीनी स्तर पर, जिला युवा सांझ समितियों का नेतृत्व कमिश्नर ऑफ पुलिस/सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस द्वारा नामित सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस/डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस रैंक के अधिकारी करते हैं। इन समितियों के माध्यम से सिविल सोसायटी के सदस्य, सेवानिवृत्त अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, एनजीओ और सामुदायिक प्रतिनिधि मिलकर समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।

स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस गुरप्रीत कौर देओ ने कहा, जहां गैंगस्टरों ते वार का उद्देश्य संगठित अपराध को समाप्त करना है, वहीं युवा सांझ का उद्देश्य भटके हुए युवाओं की प्रारंभिक पहचान कर उन्हें सही मार्ग पर लाना है। हम आवश्यकता के अनुसार सख्ती या नरमी से पेश आते हैं, ताकि समय रहते हस्तक्षेप कर किसी युवा के जीवन की दिशा बदली जा सके।

पुनर्वास की व्यवस्था सीपी/एसएसपी के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पंजाब स्किल डेवलपमेंट मिशन और अन्य साझेदार संस्थाओं के सहयोग से की जाती है। इसमें कौशल विकास, रोजगार से जोड़ना और आवश्यकता अनुसार वित्तीय सहायता शामिल है, ताकि युवाओं को नकारात्मक प्रभावों से दूर रखकर स्थिर और खुशहाल जीवन की ओर प्रेरित किया जा सके।

फाजिल्का के एसएसपी गुरमीत सिंह ने कहा, इस पहल ने न केवल जमीनी स्तर पर अपराध दर को कम करने में मदद की है, बल्कि राज्य के युवाओं को असामाजिक तत्वों के साथ जुड़ने से भी रोका है।

संक्षिप्त-समाचार

विजिलेंस ब्यूरो द्वारा 15,000 रुपये रिश्वत लेते बी.डी.पी.ओ. रंगे हाथ काबू

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान जिला लुधियाना के ब्लॉक मलौद में तैनात ब्लॉक विकास एवं पंचायत अधिकारी (बी डी पी ओ) सुखजीत कौर को 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ काबू किया है। आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी अधिकारी को गांव सोहियां, जिला लुधियाना के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गांव सोहियां में प्रस्ताव पास कर गली में इंटरलॉक टाइलें लगाने और ड्रेन का काम किया गया था। इस संबंध में शिकायतकर्ता ने ब्लॉक मलौद की बीडीपीओ सुखजीत कौर से संपर्क किया, लेकिन बिल पास करने के बजाय उसने 15,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता को मजबूर होकर मौके पर ही 5,000 रुपये रिश्वत के रूप में देने पड़े और बीडीपीओ ने शेष 10,000 रुपये भी जल्द देने के लिए कहा। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि कार्यकारी इंजीनियर लुधियाना द्वारा बीडीपीओ मलौद को एक पत्र जारी किया गया था, जिसमें गांव सोहियां में खेल मैदान का उद्घाटन किए जाने के लिए दो दिनों के भीतर ग्राम पंचायत को अपने स्तर पर जमीन समतल करवाने के निर्देश दिए गए थे। इस पर ग्राम पंचायत सोहियां ने अपने खर्चे पर मैदान को समतल करवाया। प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोपी बीडीपीओ से खेल मैदान को समतल करने और जमीन में घास/पौधे लगाने के कार्य का बिल पास करवाने के लिए संपर्क किया, जिस पर आरोपी ने 15,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने इस पूरी बातचीत को रिकॉर्ड भी कर लिया। गैर-कानूनी रिश्वत देने से इनकार करते हुए शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो यूनिट लुधियाना से संपर्क किया। शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाकर आरोपी बीडीपीओ को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो थाना लुधियाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

किचन चैंपियन सीजन-14 का आयोजन नौ को

चंडीगढ़। किचन चैंपियन सीजन 14 - 2026 के प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं लॉन्च की घोषणा 9 मई 2026 को एआर प्लाजा, ठअउ शिवालिक एन्क्लेव में की जाएगी। यह पहल सरिता खुराना (न्यूट्रिशनिस्ट, कुकरी एक्सपर्ट एवं फूड राइटर) द्वारा ळळइउ के सहयोग से आयोजित की जा रही है। किचन चैंपियन एक राष्ट्रीय स्तर की कुकरी प्रतियोगिता है, जो देशभर के होम शेफ्स और फूड लवर्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करती है। इस सीजन में 14 शहरों में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिसका ग्रैंड फिनाले चंडीगढ़ में होगा। इस पहल का उद्देश्य पोषण को अपनाना है, भारत स्वस्थ बनाना है संदेश के साथ हेल्दी और न्यूट्रिशन-आधारित कुकिंग को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में कोई एंट्री फीस नहीं होगी और फूड ऐज मेडिसिन की अवधारणा को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। आयोजकों ने मीडिया से इस कार्यक्रम में शामिल होकर कवरेज देने की अपील की है।

प्राचीन शिव मंदिर-24 में श्रद्धा और भक्ति का संगम: श्री गणेश एवं सिन्दूरी हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

चंडीगढ़। सेक्टर-24 स्थित प्राचीन शिव मंदिर इन दिनों भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना रहा, जहां 1 मई से 5 मई तक आयोजित श्री गणेश एवं सिन्दूरी हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का मंगलवार को विधिवत समापन हुआ। पांच दिवसीय इस धार्मिक आयोजन ने न केवल मंदिर परिसर, बल्कि पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। मंगलवार को प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य अनुष्ठान के दौरान जैसे ही वेद मंत्रों का उच्चारण शुरू हुआ, वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। भगवान श्री गणेश एवं सिन्दूरी हनुमान जी की प्रतिमाओं की विधि-विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस पावन क्षण के साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और जय श्री राम व गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। अनुष्ठान के अंतिम दिन विभिन्न वैदिक मंडलों–सर्वतोभद्र मंडल, वास्तु मंडल, क्षेत्रपाल मंडल, नवग्रह मंडल, चौसठ योगिनी मंडल सहित गणेश आदि सभी देवी-देवताओं का पूजन किया गया। इसके साथ ही भगवान श्री गणेश एवं सिन्दूरी हनुमान की प्रतिमाओं का 27 पवित्र तीर्थों के जल से अभिषेक किया गया। इस अवसर पर संदीप मौदगिल, न्याधीश पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट चण्डीगढ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और महोत्सव का हिस्सा बने।

शिक्षा विभाग की क्लास फोर इम्प्लाइज यूनियन (रजि. 638) के प्रधान पद 16 को होगा चुनाव

चंडीगढ़। क्लास फोर इम्प्लाइज यूनियन, एजुकेशन डिपार्टमेंट (रजि. 638), यू.टी. चंडीगढ़ के चेयरमैन गया प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित एक अहम बैठक में यूनियन के प्रधान के लिए वोटिंग के जरिए चुनाव करवाए जाने का फैसला लिया गया। यह चुनाव 16 मई शनिवार को होंगे। गया प्रसाद ने बताया कि यूनियन में प्रधान पद के चुनाव को पुनः संविधान की धारा 13(2) के तहत पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर आज दिनांक 5 मई को पांच सदस्यीय चुनाव कमेटी की अध्यक्षता में वरिष्ठ कार्यकारी सदस्यों की मीटिंग में निर्णय हुआ कि यह चुनाव दिनांक 16 मई 2026 को निष्पक्ष एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत वोटिंग से संपन्न करवाया जाएगा। प्रधान पद के लिए नामांकन 11 मई तक दिए जाएंगे व 13 मई तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं ।

होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी अभियान 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' दो दिनों के भीतर रुका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रोजेक्ट फ्रीडम को फिलहाल रोकने की घोषणा की। यह मिशन हार्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को निकालने के लिए था। ट्रंप ने पाकिस्तान और अन्य देशों से मिले अनुरोधों का हवाला देते हुए यह फैसला लिया। हालांकि, ईरान के बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्मुज जलडमरूमध्य में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के शु किए गए प्रोजेक्ट फ्रीडम को कुछ समय के लिए रोकने की घोषणा की है। लेकिन ईरान के बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी पहले की तरह जारी रहेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा है कि ₹पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर और ईरान के खिलाफ चलाए गए अभियान में हमारी सेना को मिली जबरदस्त सफलता को देखते हुए—साथ ही इस बात को ध्यान में रखते हुए कि ईरान के प्रतिनिधियों के साथ एक पूर्ण और अंतिम समझौते की दिशा में काफी प्रगति हुई है—हमने आपसी सहमति से यह तय किया है कि, 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' (होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही) को कुछ समय के लिए रोक दिया जाएगा। हालांकि नाकाबंदी पूरी तरह से लागू रहेगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि यह देखा जा सके कि क्या वह समझौता अंतिम रूप ले पाता है और उस पर हस्ताक्षर हो पाते हैं या नहीं।₹

ट्रंप ने रविवार को यह कहते हुए इस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी कि दुनिया भर के देशों ने अपने जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अमेरिका से मदद मांगी थी। इसके बाद सोमवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने यह ऑपरेशन शुरू किया था।

खास बात यह है कि अमेरिका इस ऑपरेशन के तहत सोमवार को दो और मंगलवार को सिर्फ एक जहाज सुरक्षित निकाल पाया था। जबकि ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल टकराव शुरू होने से पहले हर दिन हार्मुज से औसतन सवा सौ जहाज गुजरते थे। अमेरिका की इस मुहिम से नाराज ईरान ने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना कोई जहाज इस रास्ते से नहीं गुजर सकता। इसके बाद ईरान ने हार्मुज में साऊथ कोरिया के एक जहाज पर हमला किया। साथ ही यूएई पर मिसाइल हमले किए।

नेपाल में बढ़ रहा है गुरुकुल और संस्कृत भाषा के प्रति आकर्षण

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के गुरुकुलों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। छात्रों के बढ़ते नामांकन के साथ संस्कृत भाषा का सशक्त पुनरागमन हो रहा है? दांग स्थित नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुरुप्रसाद सुवेदी के अनुसार, वर्तमान में देशभर में लगभग 25 हजार विद्यार्थी संस्कृत का अध्ययन कर रहे हैं।

पूरे देश में करीब 500 गुरुकुल संचालित हैं, जिनमें से 300 पंजीकृत और 200 अपंजीकृत हैं। प्रोफेसर सुवेदी के मुताबिक इन गुरुकुलों में करीब 20 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। वहीं, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के आंगिक और संबद्ध कॉलेजों में अतिरिक्त 4,943 विद्यार्थी शास्त्री (स्नातक) और आचार्य (स्नातकोत्तर) स्तर पर अध्ययन कर रहे हैं—यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रशासन प्रमुख गिरिराज शर्मा ने दी। देवघाट क्षेत्र, जो तनहुँ और चितवन में फैला हुआ है, वहां के महेश संस्कृत गुरुकुल, परमानन्द संस्कृत गुरुकुल और गार्गी कन्या गुरुकुल में ही वर्तमान में करीब 1,000 विद्यार्थी संस्कृत पढ़ रहे हैं। प्रोफेसर सुवेदी ने बताया कि उनके छात्र जीवन का अनुभव अलग था। 'साल 2008 में प्रजातंत्र की स्थापना के बाद एक समय ऐसा भी था जब संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों को ढूंढना मुश्किल था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है और संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही है। इस वर्ष देवघाट के हरिहर संन्यास आश्रम में कक्षा 6 से 12 तक केवल 25 सीटों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 300 छात्र शामिल हुए।

इसी तरह, देवघाट के महेश संस्कृत गुरुकुल की प्रवेश परीक्षा में 200 छात्र शामिल हुए, जिनमें से नए शैक्षणिक सत्र के लिए 33 विद्यार्थियों का चयन किया गया। सुवेदी के अनुसार, यह विद्यार्थियों और अभिभावकों के बढ़ते आकर्षण का संकेत है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव बाद हिंसा पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद हो रही हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में मंगलवार को मधु मंडल नाम के भाजपा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के विभिन्न इलाकों से हिंसा और तोड़फोड़ की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसको देखते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस के पुलिस आयुक्त तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सभी जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और अन्य पुलिस अधिकारियों को लगातार गश्त करने और स्थिति पर नजर रखने को कहा गया है। चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि चुनाव बाद होने वाली किसी भी तरह की हिंसा के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

शाह 19 को जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 19 मई को बस्तर दौरे पर रहेंगे। वे संभाग मुख्यालय जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। गृहमंत्री अमित शाह 18 मई की रात सीधे जगदलपुर पहुंचेंगे और वहीं रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद दूसरे दिन यानी 19 मई को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक लेंगे और उसके बाद शाम को दिल्ली लौट जाएंगे।

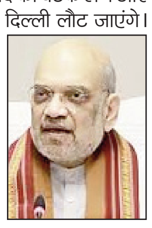

इस उच्च-स्तरीय बैठक में मध्य क्षेत्रीय परिषद के सदस्य राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ मंत्री शामिल होंगे। बैठक में चार राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच सामाजिक-आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और अंतर-राज्यीय मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्य सचिव विकास शील ने सभी विभागों से पिछली बैठक के मिनिट्स के आधार पर छत्तीसगढ़ में किए गए कार्यों और लंबित मुद्दों की रिपोर्ट मांगी है। बताया जा रहा है कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे के बाद यह पहली बड़ी उच्चस्तरीय बैठक होगी।

सड़क मार्ग से नेपाल आने वाले वाहनों के लिए अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल सरकार ने भारतीय पर्यटकों तथा भारत के रास्ते नेपाल आने वाले अन्य देशों के पर्यटकों के वाहन की प्रवेश सुविधा देने के लिए ऑनलाइन सेवा शुरू की है। इस प्रणाली का उद्घाटन वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले ने एक कार्यक्रम के दौरान किया। कस्टम विभाग ने स्थल मार्ग से नेपाल में प्रवेश करने वाले विदेशी वाहनों के लिए ऐसा सिस्टम विकसित किया है, जिससे वे ऑनलाइन ही अपना विवरण भरकर राजस्व भुगतान कर सकते हैं।

नई प्रणाली लागू होने के बाद अब नेपाल में वाहन लेकर आने वाले भारतीय और तृतीय देश के पर्यटक ऑनलाइन ही अपनी जानकारी दर्ज करके शुल्क जमा कर सकते हैं। पहले ऐसे वाहनों को भन्सार नाके पर पहुंचकर भौतिक रूप से अस्थायी अनुमति लेनी पड़ती थी। यात्रा अवधि समाप्त होने पर नवीनीकरण के लिए भन्सार नाके पर जाना पड़ता था या जुर्माना भरना पड़ता था, लेकिन अब पर्यटक घर से ही ऑनलाइन माध्यम से वाहन का परमिट भरकर और भुगतान करके बिना झंझट नेपाल यात्रा कर सकते हैं। नई सेवा का शुभारंभ करते हुए वित्त मंत्री डा. वाग्ले ने कहा कि इससे सीमा क्षेत्रों में पर्यटकों को होने वाली परेशानियां खत्म होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सुशासन और तेज, गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवा देने की प्रतिबद्धता के तहत यह पहल की गई है। हम चाहते हैं कि पर्यटकों को कोई कठिनाई न हो और सरकारी सेवाएं तेज और सरल हों। भन्सार विभाग के महानिर्देशक श्यामप्रसाद भण्डारी ने बताया कि अब नेपाल में प्रवेश करने वाले पर्यटक वाहनों के परमिट पूरी तरह डिजिटल हो गए हैं।

यात्री और पर्यटक अब अपने वाहनों का विवरण ऑनलाइन स्वयं घोषित कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी नेपाल सरकार को देय राजस्व भी पर्यटक वाहन ऑनलाइन या बैंक काउंटर के माध्यम से जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन भुगतान करने वाले वाहन भन्सार में अपने ईमेल पर प्राप्त क्यूआर कोड दिखाकर नेपाल में प्रवेश कर सकते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में बुधवार के शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में बुधवार 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है। इसी तरह चांदी बुधवार 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना बुधवार 1,49,170 रुपये से लेकर 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना बुधवार 1,36,740 रुपये से लेकर 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु बुधवार शुरुआती कारोबार के दौरान 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में बुधवार 24 कैरेट सोना 1,49,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरूआती कारोबार में बढ़त के बाद बना दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी ऊपरी स्तर से लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार शुरुआती कारोबार के दौरान ऊपरी स्तर से दबाव बनता हुआ नजर आ रहा है। बुधवार के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इनकी चाल में गिरावट का रुख बन गया। राहत की बात यही रही कि बिकवाली होने के बावजूद ये दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटर ग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ट्रेंट लिमिटेड, बजाज ऑटो और बजाज फिनसर्व के शेयर 3.17 प्रतिशत से लेकर 1.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन कंपनी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और ओएनजीसी के शेयर 3.34 प्रतिशत से लेकर 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,777 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,940 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 837 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से बुधवार पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बुधवार बढ़त के साथ कारोबार करता होने जा रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजार में भी बुधवार चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के थमने की उम्मीद के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 350 अंक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,259.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार काम किया। इसके अलावा नैस्डेक 258.32 अंक यानी 1.03 प्रतिशत उछल कर 25,326.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बुधवार फिलहाल 100.85 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की छलांग लगा कर 49,399.10 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए।

मुख्यमंत्री साय ने पेयजल समस्या की खबर पर लिया त्वरित संज्ञान

कलेक्टर को फोन कर दिए समाधान के निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र की चेराजोबला बस्ती में पेयजल समस्या से संबंधित समाचार पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह समाचार पत्रों का अवलोकन करते समय ह्लनाला और ढोढ़ी के दूषित जल पर आज भी निर्भर हैं वनवासीह्व शीर्षक से प्रकाशित खबर को गंभीरता से लिया और सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत को फोन कर प्रभावित बस्ती में शीघ्र पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेराजोबला बस्ती में पेयजल संकट की स्थिति का तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार हैंडपंप खनन, वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के निवास वाले क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की नियमित समीक्षा की जाए।

उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ जमीन पर सुनिश्चित करना है।

पारिवारिक विवाद में जीजा ने दो सालियों को मारी गोली, एक की मौत दूसरी गंभीर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी ही दो सालियों पर गोली चला दी, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी की हालत गंभीर बनी हुई है। पंडरी पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपित जितेंद्र वर्मा पेशे से बाउंसर है, घर पर परिवारिक विवाद होने से उसकी पत्नी अलग बहनों के साथ रह रही थी। मंगलवार देर रात जितेंद्र बच्चे से मिलने आया था जिसे दोनों बहनों ने रोका, इससे आक्रोशित जितेंद्र वर्मा ने दुर्गेश्वरी और गीतांजलि को अपनी पिस्टल से गोली मार दी, इसमें एक की मौत हो गई और दूसरी को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपित जितेंद्र वर्मा ने पंडरी थाने पहुंच सरेंडर कर अपना जुर्म कबूल कर लिया है और लाइसेंसी पिस्तौल से दोनों सालियों को गोली मारने की बात स्वीकार की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

अनियंत्रित पिकअप पलटने से चार की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
सारण

शहर के भगवान बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यायबस्ती लोहा टोला के समीप अहले सुबह एक सड़क दुर्घटना हुई जिसमें दो महिलाओं सहित चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुबह लगभग चार से पांच बजे के बीच की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, एक शादी समारोह में कार्यक्रम प्रस्तुत करने के बाद आर्केस्ट्रा कर्मी डीजे लदी पिकअप पर सवार होकर लौट रहे थे। डॉक्टर पी.एन. सिंह डिग्री कॉलेज से पश्चिम दिशा में पहुंचते ही तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के वक्त पिकअप पर सवार कलाकार सड़क पर जा गिरे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। जिससे चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112, भगवान बाजार थाना और रिवीलगंज पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत छपरा सदर अस्पताल भेजा गया। वहीं पुलिस ने सभी मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है। इस दुर्घटना के बाद इलाके में शोक है।

जिला अवर निबंधक अमरेन्द्र कुमार पर आय से अधिक संपत्ति का मामला, 4 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी (हि.स.)
सुपौल

आर्थिक अपराध इकाई ने सुपौल के जिला अवर निबंधक अमरेन्द्र कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। इस संबंध में आर्थिक अपराध इकाई थाना कांड संख्या 06/26, दिनांक 05 मई 2026 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(बी) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि अमरेन्द्र कुमार ने अपनी ज्ञात आय से लगभग 1 करोड़ 10 लाख 64 हजार रुपये अधिक की संपत्ति अर्जित की है, जो उनकी कुल आय से करीब 65.08 प्रतिशत अधिक है।

मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए विशेष न्यायालय निगरानी, पटना से तलाशी वारंट प्राप्त किया गया। इसके बाद 6 मई 2026 की सुबह पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों द्वारा चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की गई। जिन स्थानों पर तलाशी की जा रही है, उनमें पटना के आशियाना-दीघा रोड स्थित राज अपार्टमेंट का फ्लैट, सारण (छपरा) स्थित पैतृक आवास, सुपौल स्थित कार्यालय और किराए का आवास शामिल हैं।

फिलहाल सभी स्थानों पर तलाशी की कार्रवाई जारी है। आर्थिक अपराध इकाई ने बताया है कि छापेमारी पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। सुपौल में छापेमारी से शहर में हलचल मच गया। शहर सहित सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों में चर्चा का माहौल गर्म हो गया।

इतिहास | इस दिन महान कवि, साहित्यकार और दार्शनिक रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म हुआ था

साहित्य और संस्कृति के महानायक रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती आज

एजेंसी (हि.स.)

इतिहास के पन्नों में 07 मई की तारीख भारतीय साहित्य और संस्कृति के लिए बेहद गौरवपूर्ण मानी जाती है। इसी दिन वर्ष 1861 में महान कवि, साहित्यकार और दार्शनिक रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म हुआ था। उन्हें भारतीय साहित्य का ऐसा स्तंभ माना जाता है, जिनका योगदान केवल देश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति से परिचित कराया। रवीन्द्रनाथ टैगोर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।

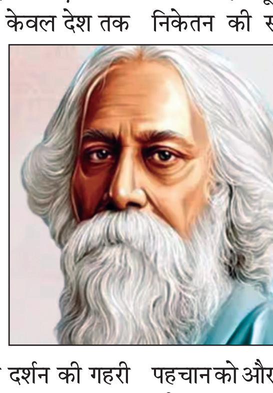

वे केवल एक कवि ही नहीं, बल्कि लघु कथाकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार भी थे। उनकी रचनाओं में मानवीय संवेदनाओं, प्रकृति और जीवन दर्शन की गहरी झलक मिलती है। टैगोर की रचनाएं आज भी साहित्य प्रेमियों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं, जितनी उनके समय में थीं। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति 'गीतांजलि' ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसी कृति के लिए उन्हें वर्ष 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। वे यह सम्मान पाने वाले पहले गैर-यूरोपीय व्यक्ति बने, जो भारत के लिए गर्व का विषय था। टैगोर ने न केवल साहित्य के क्षेत्र में, बल्कि शिक्षा और समाज सुधार में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने शांति निकेतन की स्थापना की, जो आगे चलकर विश्वभारती विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ। टैगोर को भारतीय राष्ट्रगान 'जन गण मन' के रचयिता के रूप में भी जाना जाता है, जो देश की एकता और विविधता का प्रतीक है। इसके अलावा, उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' की भी रचना की, जो उनकी वैश्विक पहचान को और मजबूत बनाता है। 07 मई का दिन हमें रवीन्द्रनाथ टैगोर के अद्भुत योगदान को याद करने और उनकी विरासत से प्रेरणा लेने का अवसर देता है। उनकी रचनाएं और विचार आज भी समाज को नई दिशा देने में सक्षम हैं।

जन्म

1968 - केशव प्रसाद मौर्य - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञों में से एक हैं। 1912 - पन्नालाल पटेल- गुजराती भाषा के जानेमाने साहित्यकार थे। 1910 - शान्तिदेव घोष - एक भारतीय लेखक, गायक, अभिनेता, नर्तक और रवीन्द्र संगीत के उस्ताद थे। 1861 - रवीन्द्रनाथ ठाकुर - नोबेल पुरस्कार प्राप्त बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार। 1880 - पांडुरंग वामन काणे - महान भारतीय संस्कृतज्ञ और विद्वान पंडित। 1893 - भारतीय गुरु परमहंस योगानंद 1889 - एन. एस. हार्डिकर - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा 'हिन्दुस्तानी सेवादल' के संस्थापक।

निधन

1924 - अल्लूरी सीताराम राजू - प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय स्वतंत्रता सेनानी 1952 - भारतीय गुरु परमहंस योगानंद 2001 - प्रेम धवन, हिंदी सिनेमा जगत के मशहूर गीतकार 2021 - वनराज भाटिया - भारतीय हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार थे।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1663 - प्रसिद्ध नाटककार थॉमस किलिग्रू द्वारा निर्मित रायल थियेटर की लंदन में शुरूआत। 1912 - कोलंबिया विश्वविद्यालय ने विभिन्न श्रेणियों में पुलित्जर पुरस्कार प्रदान करने की योजना को मंजूरी दी। इसकी स्थापना जोसेफ पुलित्जर ने की थी। 1928 - ब्रिटेन में महिलाओं की वोट देने की आयु 30 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष कर दी गई। 1945 - जर्मनी के जनरल गुस्ताव जोड्ल ने आत्मसमर्पण के कागजों पर दस्तख्त किए और इसके साथ ही यूरोप में छह साल से चल रहे युद्ध का अंत हुआ। इस संबध में लंदन, मॉस्को और वॉशिंगटन में सरकारी बयान जारी किया गया। 1946 - इबुका मसारू और मोरिता ओकियो ने उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक उत्पाद बनाने वाली जापानी कंपनी सोनी कोरपोरेशन की स्थापना की। 1952 - इंटिग्रेटेड सर्किट की अवधारणा पहली बार जियोफ्रे डमर में प्रकाशित। यह सभी आधुनिक कंप्यूटरों का आधार है। 1956 - ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने धूम्रपान के विरोध में किए जा रहे तमाम अभियानों को खारिज करते हुए कहा कि धूम्रपान के बुरे प्रभावों के तथ्य अभी सामने नहीं आए हैं। 1973 - ईटानगर को पूर्वोत्तर के खूबसूरत प्रांत अरुणाचल प्रदेश की नई राजधानी बनाने का काम शुरू किया गया। 1976 - एलेक्जेंडर ग्राहम बेल को अपने आविष्कार का पेटेंट मिला जिसे उन्होंने ₹टेलीफोन₹ (दूरभाष) का नाम दिया। 1982 - आईबीएम ने पीसी-डीओएस का वर्जन 1.1 जारी किया। 1989 - भारतीय मूल के लेखक सलमान रश्दी के खिलाफ ईरानी फतवे के बाद ब्रिटेन और ईरान के बीच राजनयिक सम्पर्क टूट गया। 1999 - स्काटलैंड संसदीय चुनावों में लेबर पार्टी को सफलता। 2000 - ब्लादिमीर पुतिन ने रूस के नये राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सम्भाला। 2001 - पूर्वोत्तर ईरान में बाढ़। 2001 - पोप जॉन पॉल सीरिया के ऐतिहासिक दौरे पर पहुंचे और वहां के हजारों लोगों ने बांहें फैलाकर उनका स्वागत किया। 2002 - गुजरात की हिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने गम्भीर चिंता जताई। 2002 - चीन की नोर्दर्न एयरलाइंस के एक जेट विमान एमडी 82 में आग लग गई और यह बो हाइ सागर में समा गया। दुर्घटना में विमान में सवार सभी 112 लोगों की मौत। 2004 - नेपाल के प्रधानमंत्री सूर्य बहादुर थापा ने इस्तीफा दिया। 2008 - रूस के पूर्व राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने देश के 10वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता से लैस मिसाइल हत्फ-8 का परीक्षण किया। 2012 - व्लादिमीर पुतिन ने छह वर्ष के कार्यकाल के लिए तीसरी बार रूस के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। 2015 - ब्रिटेन के आम चुनाव में डेविड कैमरून फिर से प्रधानमंत्री बने। उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला।

क्या आज 'विराट' प्रहार से वापसी करेगी आरसीबी या लखनऊ के नवाब पलटेंगे पासा

बल्लेबाजी की लय तलाशने मैदान पर उतरेंगे पाटीदार के धुरंधर

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

पिछले मैच में बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तालिका में शीर्ष पर जगह मनाने का मौका गंवाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुरुवार को यहां सबसे निचले पायदान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ बल्लेबाजी में अपनी लय फिर से हासिल करके प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने की कोशिश करेगी। आरसीबी फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है, लेकिन उसके चार अन्य टीमों के समान 12 अंक हैं।

उसकी टीम को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स से चार विकेट से मिली हार को भूलकर जल्द से जल्द वापसी करनी होगी। गुजरात के खिलाफ उस मैच में आरसीबी की बल्लेबाजी नाटकीय रूप से धराशायी हो गई थी। एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 79 रन था जो जल्द ही छह विकेट पर 96 रन हो गया और आखिर में उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई। आरसीबी के बल्लेबाज भले ही इस मैच में लड़खड़ा गए थे लेकिन वह दमदार वापसी करने में सक्षम हैं। उसके बल्लेबाजों ने अब तक आक्रामक खेल दिखाया है और लखनऊ के खिलाफ भी वह इसे जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए 379 रन बनाए हैं, वहीं देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

नियमित सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के उंगली में चोट के कारण बाहर होने से कोहली के साथ विस्फोटक शुरूआत देने की जिम्मेदारी जैकब बेथेल पर होगी। आरसीबी की टीम को एक सप्ताह के विश्राम का मौका मिला है और उसकी टीम इस मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में अधिक तरोताजा होकर उतरेगी। जहां तक एलएसजी का सवाल है तो उसका प्रदर्शन अभी तक निराशाजनक रहा है।

वह पिछले छह मैचों में हार झेलने के कारण अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। इस बीच उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ टाई रहे मैच में सुपर ओवर में भी हार का सामना करना पड़ा था। उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस ने छह विकेट से करारी शिकस्त दी थी। एलएसजी का अभियान लगातार खराब प्रदर्शन, रणनीतिक अस्थिरता और मैचों का सकारात्मक अंत नहीं कर पाने के कारण कारण बिखर गया है। मिचेल मार्श, कप्तान ऋषभ पंत, एडन मार्क्रम और निकोलस पूरन जैसे प्रमुख बल्लेबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं।

टीम इस प्रकार

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

लखनऊ सुपर जायट्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को हराकर 20 साल बाद चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई जगह

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

आर्सेनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर 20 साल बाद चैंपियंस लीग फाइनल में प्रवेश कर लिया। घरेलू मैदान एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में बुकायो साका के पहले हाफ के अंत में किए गए गोल ने टीम को जीत दिलाई। पहले चरण में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद आर्सेनल ने कुल मिलाकर 2-1 से मुकाबला अपने नाम किया। अब फाइनल में उसका सामना पेरिस सेंट-जर्मेन या बायर्न म्यूनिख से होगा, जो 30 मई को बुडापेस्ट में खेला जाएगा।

आर्सेनल के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि टीम 2006 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंची है। उस समय उसे बार्सिलोना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

क्लब अब तक इस प्रतिष्ठित खिताब को जीत नहीं सका है। मैच में आर्सेनल ने संयमित खेल दिखाया। शुरूआती मिनटों में एटलेटिको ने आक्रामक शुरूआत की, लेकिन आर्सेनल ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस के शानदार मूव पर लिएंड्रो ट्रॉसार्ड ने शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर ने रोक तो लिया, लेकिन रिबाउंड पर साका ने मौका भुनाते हुए गोल कर दिया। दूसरे हाफ में एटलेटिको ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आर्सेनल की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। कोच मिकेल आर्टेटा के नेतृत्व में आर्सेनल इस सीजन शानदार फॉर्म में है और अब प्रीमियर लीग के साथ चैंपियंस लीग खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है। टीम अपने अंतिम तीन लीग मैच जीतकर खिताब भी अपने नाम कर सकती है।

यह जीत आर्सेनल के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि हाल के वर्षों में टीम को बड़े मुकाबलों में कमजोर मानसिकता के आरोप झेलने पड़े थे। अब यह टीम इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर है।

विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत की निराशाजनक हार

- ऑस्ट्रिया ने 3-0 से हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

फोटोः हि.स.

आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स में भारतीय पुरुष टीम का अभियान प्री-क्वार्टर चरण (अंतिम 32) में समाप्त हो गया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रिया ने भारत को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

करीब 1 घंटा 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारत की ओर से मानुष शाह ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, जबकि मानव ठक्कर और साथियान ज्ञानसेकरन अपने-अपने मैच आसानी से हार गए। मुकाबले की शुरूआत मानुष शाह ने रॉबर्ट गार्डोस के खिलाफ की। उन्होंने पहला गेम 11-6 से जीता, लेकिन इसके बाद 7-11 और 3-11 से अगले दो गेम गंवा दिए।

चौथे गेम में 11-8 से वापसी करते हुए मैच निर्णायक गेम तक पहुंचाया, जहां उन्हें कड़े मुकाबले में 11-13 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच कुल 46 मिनट तक चला। इसके बाद भारत 0-1 से पीछे हो गया और अगले दोनों मुकाबलों में भी टीम को निराशा हाथ लगी। मानव ठक्कर को डेनियल हाबेसोन ने 11-7, 11-5, 11-6 से महज 10 मिनट में हराया। वहीं साथियान ज्ञानसेकरन ने थोड़ी चुनौती पेश की, लेकिन अंततः उन्हें एंड्रियास लेवेनको के खिलाफ 11-5, 11-8, 11-9 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ भारतीय पुरुष टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया।

मैदान पर 'मानसिक स्वास्थ्य' की अनदेखी : ऑस्ट्रेलियाई क्लब पर लगा जुमार्ना

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई रूल्स फुटबॉल क्लब कार्लटन पर एक खिलाड़ी के मैदान पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निपटने में लापरवाही बरतने के लिए 75,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (54,000 अमेरिकी डॉलर) का जुमार्ना लगाया गया है। एलिजा हॉलैंड्स 16 अप्रैल को कार्लटन और कोलिंगवुड के बीच ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) के मैच में खेले थे जबकि वह मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थे। मैच के फुटेज से भी यह स्पष्ट हो गया था, जिस कारण प्रशंसकों और अन्य लोगों ने उनकी स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की थी। फुटेज में हॉलैंड्स भ्रमित और अनियमित रूप से चलते हुए दिखाई दिए। यही नहीं वह वार्म-अप के दौरान भी असामान्य हरकतें कर रहे थे। वह गेंद पर सही तरह से किक भी नहीं मार पा रहे थे। उनका एक शॉट केवल कुछ मीटर तक ही गया। इस मैच के पांच दिन बाद 24 वर्षीय हॉलैंड्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एलिजा हॉलैंड्स के पिता और पूर्व एएफएल खिलाड़ी बेन हॉलैंड्स ने सोशल मीडिया पर अपने बेटे की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अगर उनके दोस्त मुश्किल में हैं तो उनका हालचाल पूछें। एंड्रयू डिलन ने कहा, हॉलैंड्स के चिकित्सा रिकॉर्ड के अलावा खेल के दौरान यह स्पष्ट रूप से पता चल रहा था कि वह खेलने की स्थिति में नहीं हैं और इसलिए उन्हें मैच से हटा दिया जाना चाहिए था।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने विश्व कप 2026 के टिकटों की ऊंची कीमतों का किया बचाव

एजेंसी (हि.स.)

बेवर्ली हिल्स

फोटोः हि.स.

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने मंगलवार को विश्व कप 2026 के टिकटों की बढ़ती कीमतों का बचाव करते हुए कहा कि वैश्विक फुटबॉल संस्था अमेरिकी कानूनों का लाभ उठाने के लिए बाध्य है, जो टिकटों को मूल कीमत से कई गुना अधिक पर पुनः बेचने की अनुमति देते हैं।

विश्व कप टिकटों की कीमतों को लेकर फीफा की तीखी आलोचना हो रही है। प्रशंसक संगठन 'फुटबॉल सपोर्टर्स यूरोप' (एफएसई) ने इस मूल्य निर्धारण को 'अत्यधिक' और 'विश्वासघात' करार दिया है। एफएसई ने मार्च में यूरोपीय आयोग में फीफा के खिलाफ 'अत्यधिक टिकट कीमतों' को लेकर मुकदमा भी दायर किया था। फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय मंच 'फीफा मार्केटप्लेस' पर पिछले सप्ताह 19 जुलाई को न्यूयॉर्क में होने वाले फाइनल मुकाबले के चार टिकटों की कीमत 20 लाख डॉलर से अधिक प्रति टिकट बताई गई थी। मिल्केन संस्थान ग्लोबल सम्मेलन में बोलते हुए इन्फैंटिनो ने कहा कि इतनी ऊंची कीमतें विश्व कप देखने की भारी मांग को दशार्ती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कुछ लोग फाइनल के टिकट 20 लाख डॉलर में बेचने के लिए डालते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं कि टिकट की असली कीमत इतनी है, और यह भी जरूरी नहीं कि कोई उन्हें खरीदे।' इन्फैंटिनो ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अगर कोई 20 लाख डॉलर में टिकट खरीदता है, तो मैं खुद उसे हॉट डॉग और कोक दूंगा, ताकि उसका अनुभव शानदार रहे।' प्रशंसक समूहों ने 2022 कतर विश्व कप और 2026 विश्व कप के टिकटों की कीमतों की तुलना करते हुए भारी अंतर पर सवाल उठाए हैं। 2022 में फाइनल का सबसे महंगा टिकट लगभग 1600 डॉलर था, जबकि 2026 में इसकी मूल कीमत करीब 11,000 डॉलर तक पहुंच गई है। इन्फैंटिनो ने इन कीमतों को उचित ठहराते हुए कहा कि यह बाजार की स्थिति के अनुरूप है। उन्होंने कहा, 'हमें बाजार के हिसाब से चलना होता है। अमेरिका में टिकटों का पुनर्विक्रय भी अनुमति प्राप्त है, इसलिए अगर हम कीमत कम रखेंगे तो वे बाद में अधिक कीमत पर बिकेंगे।'

उन्होंने बताया कि 2026 विश्व कप के लिए 50 करोड़ से अधिक टिकट आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 2018 और 2022 विश्व कप के लिए कुल मिलाकर 5 करोड़ से भी कम आवेदन आए थे। इन्फैंटिनो ने यह भी कहा कि ग्रुप चरण के लगभग 25 प्रतिशत टिकटों की कीमत 300 डॉलर से कम रखी गई है। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में आप किसी कॉलेज खेल को भी 300 डॉलर से कम में नहीं देख सकते, और यह तो विश्व कप है।'

दर्पण विशेष

विश्व एथलेटिक्स दिवस: मैदानों से भविष्य की ओर दौड़ता युवा भारत

हर साल 7 मई की सुबह जब सूरज अपनी पहली किरणें बिखेरता है, तो दुनिया भर के खेल के मैदानों पर एक अलग ही हलचल होती है। यह दिन 'विश्व एथलेटिक्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है—एक ऐसा दिन जो न केवल पदक और रिकॉर्ड की बात करता है, बल्कि उस अनुशासन, पसीने और जज्बे को भी सलाम करता है जो एक आम किशोर को एक चैंपियन में बदल देता है। आज जब हम डिजिटल युग की गहराइयों में खोए हुए हैं, जहां 'गेमिंग' का मतलब अंगुलियों का व्यायाम बनकर रह गया है, वहां विश्व एथलेटिक्स दिवस हमें याद दिलाता है कि असली चुनौतियां और असली जीत धूल भरे ट्रैक और घास के मैदानों पर ही मिलती हैं।

इतिहास

विश्व एथलेटिक्स दिवस की नींव साल 1996 में रखी गई थी। इंटरनेशनल एमेच्योर एथलेटिक महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष प्रिमो नेबियोलो ने जब इसकी शुरूआत की, तो उनका मकसद सिर्फ बड़े आयोजनों को बढ़ावा देना नहीं था। उनका लक्ष्य था–स्कूलों और कॉलेजों के उन बच्चों तक पहुँचना, जिनमें भविष्य का ओलम्पियन छिपा है। 1912 में स्टॉकहोम में स्थापित हुआ यह महासंघ, जिसे आज हम 'वर्ल्ड एथलेटिक्स' के नाम से जानते हैं, समय के साथ बदलता रहा है। 2001 में इसका नाम बदला और फिर 2019 में इसे 'वर्ल्ड एथलेटिक्स' की नई पहचान मिली। लेकिन इसका मूल मंत्र आज भी वही हैः "Athletics for a Better World" यानी एक बेहतर दुनिया के लिए एथलेटिक्स।

2026 की थीम

इस वर्ष यानी 2026 के लिए विश्व एथलेटिक्स दिवस का विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है– "Sport: Building Bridges, Breaking Barriers"। यह थीम हमें बताती है कि एथलेटिक्स केवल शरीर को मजबूत करने का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज में फैली असमानताओं और सीमाओं को तोड़ने का एक जरिया भी है। जब कोई खिलाड़ी ट्रैक पर दौड़ता है, तो उसकी कोई जाति, धर्म या आर्थिक पृष्ठभूमि नहीं होती। वहाँ सिर्फ उसकी गति और उसका संकल्प मायने रखता है। आज का दिन इसी समावेशिता (Inclusivity) और एकता का जश्न है।

भारत में बदलता परिदृश्यः नीरज चोपड़ा का 'गोल्डन' प्रभाव

पिछले कुछ वर्षों में भारत में एथलेटिक्स के प्रति नजरिया पूरी तरह बदल गया है। एक समय था जब खेलों का मतलब सिर्फ क्रिकेट हुआ करता था, लेकिन आज नीरज चोपड़ा के भाले ने भारतीय युवाओं के सपनों को एक नई ऊंचाई दी है। अविनाश साबले की बाधा दौड़ हो, पारुल चौधरी का जज्बा हो या किशोर जेना का उभरता हुआ करियर–इन एथलीटों ने यह साबित कर दिया है कि अगर सुविधाएं और सही मार्गदर्शन मिले, तो भारतीय मिट्टी दुनिया के किसी भी सिंथेटिक ट्रैक पर परचम लहरा सकती है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ अब केवल दिल्ली या बड़े शहरों तक सीमित नहीं है; अब प्रतिभाएं हरियाणा के छोटे गांवों, उत्तर प्रदेश के दूरदराज के इलाकों और केरल के तटीय क्षेत्रों से निकल रही हैं।

एथलेटिक्सः केवल खेल नहीं, जीवन का अनुशासन

मानसिक मजबूतीः100 मीटर की फरार्टा दौड़ हो या 42 किलोमीटर की मैराथन, हार और जीत के बीच का अंतर केवल शारीरिक क्षमता नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता होती है। **असफलता का सामनाः** एथलेटिक्स सिखाता है कि हर बार गिरने के बाद उठना कैसे है। एक बाधा दौड़ का खिलाड़ी जितनी बार गिरता है, उतनी ही मजबूती से अगले हर्डल को पार करने की तैयारी करता है। **सेहत का सुरक्षा चक्रः** आज के दौर में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ (Lifestyle diseases) युवाओं को घेर रही हैं, एथलेटिक्स एक वरदान की तरह है। दौड़ना, कूदना और फेंकना–ये बुनियादी गतिविधियाँ न केवल हृदय स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं।

मैदान से गायब होते बच्चेः एक चिंताजनक पहलू

विश्व एथलेटिक्स दिवस पर जहाँ हम उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, वहीं हमें एक कड़वी सच्चाई का सामना भी करना होगा। हमारे शहरों में कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं और खेल के मैदान सिमट रहे हैं। स्कूलों में 'पीटी' का पीरियड अब केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि मोबाइल स्क्रीन और वीडियो गेम्स ने बच्चों की शारीरिक सक्रियता को 40% तक कम कर दिया है। यह दिवस एक चेतावनी भी है कि यदि हम अपनी अगली पीढ़ी को स्वस्थ देखना चाहते हैं, तो उन्हें वापस मैदानों पर लाना होगा। विश्व एथलेटिक्स दिवस केवल एक तारीख नहीं है, बल्कि एक आंदोलन होना चाहिए। यह दिन हमें याद दिलाता है कि महान खिलाड़ी रातों-रात पैदा नहीं होते; वे सालों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और हार न मानने वाले जज्बे से बनते हैं। आज के दिन हर स्कूल, हर क्लब और हर माता-पिता को एक संकल्प लेना चाहिए–कि वे अपने बच्चों को कम से कम एक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। जरूरी नहीं कि हर बच्चा मेडल लाए, लेकिन खेल के मैदान पर सीखा गया संघर्ष उसे जीवन की हर रेस में जीतने के काबिल जरूर बना देगा। अगली बार जब आप किसी बच्चे को दौड़ते हुए देखें, तो याद रखें–वह सिर्फ एक बच्चा नहीं, बल्कि भविष्य का वह नागरिक है जो 'तेज, ऊंचा और मजबूत' (Citius, Altius, Fortius) बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

एथलेटिक्स का विज्ञान और मनोविज्ञान

एक अनुभवी पत्रकार के तौर पर मैंने खिलाड़ियों को जीतते और टूटते करीब से देखा है। एथलेटिक्स 90% मनोविज्ञान और 10% शारीरिक क्षमता का खेल है। **अनुशासन की पराकाष्ठाः** एक 100 मीटर का धावक अपनी 10 सेकंड की दौड़ के लिए 10 साल तक तपस्या करता है। **तकनीकी बारीकियांः** आज के दौर में एथलेटिक्स पूरी तरह डेटा और विज्ञान पर आधारित है। बायोमैकेनिक्स, पोषण और स्लीप एनालिसिस अब प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा हैं। **असफलता का सबकः** एथलेटिक्स सिखाता है कि हारना अंत नहीं है। एक ऊंची कूद का खिलाड़ी तब तक कूदता रहता है जब तक कि वह अंततः बार को गिरा नहीं देता। हार उनके खेल का हिस्सा है, और यही उन्हें जीवन के लिए तैयार करता है। **आधुनिक चुनौतियांः** डोपिंग और स्क्रीन टाइम सिक्के का दूसरा पहलू हमेशा चमकदार नहीं होता। एथलेटिक्स की दुनिया आज 'डोपिंग' के काले साये से जूझ रही है। कम समय में सफलता पाने की चाहत खिलाड़ियों को प्रतिबंधित दवाओं की ओर धकेल रही है, जो इस खेल की शुचिता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। **दूसरी बड़ी चुनौती है–** 'डिजिटल आलस'। आज के बच्चे धूल भरे मैदानों के बजाय एयर-कंडीशंड कमरों में मोबाइल पर गेम खेलना पसंद करते हैं।

सड़कों से स्टेडियम तक

एथलेटिक्स में सबसे कम खर्चे में सबसे बड़ा बदलाव लाने की क्षमता है। एक जोड़ी जूते और एक खुले मैदान के साथ कोई भी बच्चा अपनी किस्मत बदल सकता है। भारत जैसे देश में, जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की खान है, एथलेटिक्स सामाजिक उत्थान का जरिया बन रहा है। कई आदिवासी क्षेत्रों से निकले धावकों ने यह साबित किया है कि गरीबी और सुविधाओं का अभाव केवल तब तक बाधा है जब तक कि आपके अंदर कुछ कर गुजरने की आग न हो।

रिटायर्ड शिक्षकों ने पीयू पर पेंशन और एरियर जारी करने में भेदभाव का लगाया आरोप

सातवें यूजीसी आयोग के लाभ रोकने पर पीयू प्रशासन घिरा, 530 से अधिक पेंशनर्स हाईकोर्ट जाने पर कर रहे विचार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) से 1 जनवरी 2016 से पहले रिटायर हुए सुपर सीनियर प्रोफेसरों और अन्य शिक्षकों ने 7वें यूजीसी वेतन आयोग के तहत संशोधित पेंशन, फैमिली पेंशन और एरियर जारी न किए जाने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। रिटायर्ड शिक्षकों ने पंजाब सरकार और पंजाब यूनिवर्सिटी प्रशासन पर भेदभाव और अभूतपूर्व प्रशासनिक उदासीनता का आरोप लगाया है। पेंशनर्स का कहना है कि पंजाब सरकार ने 25 अप्रैल 2025 को पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन संशोधन तथा एरियर जारी करने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी थी। इसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी ने भी अक्टूबर 2025 में आयोजित अपनी फाइनेंस बोर्ड बैठक में इस अधिसूचना को अपनाने की मंजूरी दे दी थी।

इसके बावजूद लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद भी यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा संशोधित पेंशन तय करने और एरियर जारी करने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। रिटायर्ड शिक्षकों ने आरोप लगाया कि बार-बार मांग उठाने और प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद मामले को लगातार टाला जा रहा है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रिटायर्ड शिक्षकों के अनुसार, पंजाब यूनिवर्सिटी के अधिकारी हर बार यह कहकर मामला टाल देते हैं कि पंजाब सरकार की ओर से आवश्यक धनराशि जारी नहीं की गई है।

पेंशनर्स ने आरोप लगाया कि पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला, गुरू नानक देव यूनवर्सिटी, अमृतसर तथा पंजाब के सभी सरकारी कॉलेजों के सेवानिवृत्त शिक्षकों को यह लाभ पहले ही दिया जा चुका है, जबकि पंजाब यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड शिक्षकों के साथ अब भी अस्पष्ट और अनुचित भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रभावित रिटायर्ड शिक्षकों में अधिकांश 80 और 90 वर्ष की आयु के सुपर सीनियर सिटीजंस हैं, जिनमें से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और सीमित गतिशीलता से जूझ रहे हैं। पेंशनर्स ने स्पष्ट किया कि वे किसी प्रकार की विशेष रियायत नहीं मांग रहे, बल्कि दशकों तक यूनिवर्सिटी और राष्ट्र की सेवा करने के बाद अपने वैधानिक और ऐतिहासिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं। रिटायर्ड शिक्षकों ने आगे आरोप लगाया कि न तो पंजाब सरकार और न ही यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अब तक लाभ जारी करने के संबंध में कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण, जवाबदेही तंत्र अथवा समयसीमा तय की है। पेंशनर्स ने न्यायिक टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट कई बार स्पष्ट कर चुका है कि पेंशन सेवानिवृत्त कर्मचारियों का कानूनी अधिकार है और इसके भुगतान में देरी बुजुर्ग नागरिकों के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का कारण बनती है। सेवानिवृत्त शिक्षकों ने मांग की है कि पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा संशोधित पेंशन और पारिवारिक पेंशन का तत्काल निर्धारण और भुगतान किया जाए। साथ ही पंजाब सरकार लंबित एरियर के पूर्ण भुगतान के लिए धनराशि जारी करे। पेंशनर्स ने 30 दिनों के भीतर स्पष्ट भुगतान कैलेंडर जारी करने तथा सेवानिवृत्ति लाभों के संबंध में हाईकोर्ट के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की भी मांग की है।

नगर निगम चुनाव-2026 के लिए ईवीएम की दूसरी व अंतिम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया सम्पन्न

मेयर व पार्षद पदों के लिए ईवीएम मशीनों का चयन, 9 को पोलिंग पार्टियों को होगा वितरण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

राज्य चुनाव आयोग द्वारा नामित सामान्य पर्यवेक्षक एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री डी. सुरेश, उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतपाल शर्मा, रिटर्निंग अधिकारी श्री संयम गर्ग तथा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों व उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज लघु सचिवालय के सभागार में नगर निगम चुनाव-2026 के लिए ईवीएम मशीनों की दूसरी एवं अंतिम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

इस प्रक्रिया के तहत मेयर पद के लिए 204 ईवीएम मशीनें तथा 41 रिजर्व मशीनें और पार्षद पद के लिए 204 ईवीएम मशीनें तथा 58 रिजर्व मशीनों का चयन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि अंतिम रैंडमाइजेशन के उपरांत 9 मई को ईवीएम मशीनें पोलिंग पार्टियों को सौंप दी जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रैंडमाइजेशन एक पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य सभी उम्मीदवारों को चुनाव प्रक्रिया के प्रति पूर्ण संतुष्टि प्रदान करना है।

उन्होंने आगे बताया कि आज इंद्रधनुष ऑडिटोरियम, सेक्टर-5 में पोलिंग स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें चुनावी प्रक्रिया, प्रपत्र भरने तथा ईवीएम मशीनों के संचालन संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि नगर निगम चुनाव-2026 के अंतर्गत 20 वार्डों में कुल 204 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर दो ईवीएम मशीनें लगाई जाएंगी—एक मेयर पद के लिए और दूसरी पार्षद पद के लिए—ताकि मतदाता अलग-अलग वोट डाल सकें।

उन्होंने बताया कि जिले में ईवीएम मशीनों की समय-समय पर फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) की जाती है, जिससे उनकी पूर्ण कार्यशीलता सुनिश्चित होती है। चुनावों में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए रैंडमाइजेशन प्रक्रिया को कम्प्यूटराइकृत किया गया है। बैठक में आदर्श आचार संहिता के कड़ाई से पालन और चुनावी व्यय से संबंधित नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मेयर पद के उम्मीदवार के लिए अधिकतम 30 लाख रुपये तथा पार्षद पद के लिए 7.50 लाख रुपये खर्च की सीमा निर्धारित की गई है। प्रत्येक उम्मीदवार को अपने व्यय रजिस्टर की जांच कराना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, मतगणना के एक माह के भीतर सभी उम्मीदवारों को अपने चुनावी खर्च का विस्तृत विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा कराना होगा।

इस अवसर पर नगराधीश जागृति, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं नायब तहसीलदार प्रद्युम्न, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला सांख्यिकी अधिकारी सुनील जाखड़, इलेक्शन तहसीलदार अजय राठी, इलेक्शन कानूनगो कुलदीप सिंह, डीआईओ कार्यालय से अनिल छाबड़ा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

17वें ओपन हाउस 2026 में पेक ने युवा प्रतिभाओं को किया प्रेरित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ के करियर डेवलपमेंट एंड गाइडेंस सेंटर (सीडीजीसी) द्वारा 06 मई, 2026 को अपने वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम ओपन हाउस 2026 का सफल आयोजन किया गया। वर्ष 2010 में शुरूआत के बाद से यह आयोजन ट्राइसिटी के विद्यार्थियों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में प्रेरित करने का एक सशक्त मंच बन चुका है। ओपन हाउस के 17वें संस्करण में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें संस्थान के विभिन्न विभागों की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, उन्नत शोध केंद्रों और आधुनिक सुविधाओं का मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया, जिससे उन्हें पेक में हो रहे शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

प्रो. जे.डी. शर्मा, प्रमुख, सीडीजीसी, ने स्वागत संबोधन में सभी आगंतुक विद्यालयों और गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया। उन्होंने ओपन हाउस के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने की इसकी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने पेक को भारत के अग्रणी इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक बताते हुए जिज्ञासा, नवाचार और शोध-आधारित दृष्टिकोण विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने सीडीजीसी की विभिन्न पहलों की जानकारी भी दी तथा कार्यक्रम के प्रायोजकों लैंडमार्क और स्टडीआईएएस का आभार व्यक्त किया। पेक के निदेशक प्रो. राजेश कुमार भाटिया ने अपने संबोधन में ऐसे आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया और विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे प्रयोगशालाओं और प्रदर्शित परियोजनाओं का गहन अवलोकन करें। ओपन हाउस 2026 का प्रमुख आकर्षण परियोजना प्रदर्शनी रही, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विकसित नवोन्मेषी और बहु-विषयक परियोजनाओं को प्रस्तुत किया गया। प्रत्येक विभाग ने अपनी सर्वश्रेष्ठ परियोजना का चयन कर विशेषज्ञ समिति (उद्योग एवं अकादमिक क्षेत्र से) के समक्ष प्रस्तुत किया। समिति ने स्मार्ट एआई आधारित दुर्घटना पहचान एवं आपातकालीन अलर्ट प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ परियोजना घोषित किया। इस परियोजना से जुड़े विद्यार्थियों को 20,000 तथा संबंधित संकाय समन्वयकों को 10,000 की नकद राशि से सम्मानित किया गया।

प्रदर्शित अन्य प्रमुख परियोजनाओं में वर्टिकल स्पिन टनल, कंक्रीट कैनोः बुआयांसे, लिवाराः मानव-केंद्रित स्वच्छता सहायता उपकरण, मैग्नीशियम आधारित औषधि वितरण इम्प्लांट, पोर्टेबल रेस्पिरेटरी हेल्थ मॉनिटर, स्मार्ट एआई आधारित दुर्घटना पहचान प्रणाली, किसान मित्र, इडियोपैथिक हाइपरटेंशन रोग के लिए क्लाउड-नेटिव समाधान, रिमोट-कंट्रोल्ड 6-व्हील रोवर (मेटल डिटेक्शन हेतु) तथा स्मार्ट शू (फुट केयर हेतु) शामिल रहे। रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर सतत इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य संबंधी नवाचारों तक, इस आयोजन ने विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग के विविध क्षेत्रों से परिचित कराया। ओपन हाउस 2026 ने न केवल जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया, बल्कि विद्यार्थियों को सार्थक करियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

पहाड़ी क्षेत्रों के शिक्षकों को जनगणना कार्य में राहत

- **मोरनी-कालका में जनगणना कार्य को लेकर नई व्यवस्था**
- **स्कूल समय में जनगणना ड्यूटी की अनुमति**

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

मोरनी और कालका के पहाड़ी इलाकों की कठिन भौगोलिक बनावट और सीमित पहुँच को देखते हुए, इन क्षेत्रों में तैनात शिक्षकों को स्कूल समय के दौरान जनगणना कार्य करने की छूट दी गई है। इस कदम का उद्देश्य है कि सौंपा गया कार्य उनकी सुरक्षा और भलाई से समझौता किए बिना कुशलता से पूरा हो सके। उप जिला जनगणना अधिकारी-सह-जिला सांख्यिकी अधिकारी, सुनील जाखड़ ने बताया कि इस निर्णय से न केवल जनगणना कार्य समय पर पूरा होगा, बल्कि शिक्षकों को संवेदनशील क्षेत्रों में देर शाम फील्ड विजिट से जुड़े संभावित खतरों से भी बचाया जा सकेगा। मोरनी और कालका के पहाड़ी इलाकों में शिक्षकों को वर्तमान जनगणना कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि प्रशासन के संज्ञान में आया है कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित पहुँच के कारण शिक्षकों के लिए स्कूल समय के बाद जनगणना कार्य करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। साथ ही, शाम के समय जंगली जानवरों की आवाजाही और हमलों की घटनाओं को लेकर भी गंभीर सुरक्षा चिंताएँ सामने आई हैं, जो फील्ड ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के लिए जोखिम पैदा करती हैं। जाखड़ ने यह भी बताया कि इसके आलावा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी ग्राम सचिवों और सरपंचों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें, ताकि वे अपने-अपने गांवों में जनगणना कर्मियों को पूरा सहयोग प्रदान करें।

संक्षिप्त-समाचार

चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा ऊर्जा संरक्षण हेतु एसी के आदर्श तापमान पर परामर्श जारी

चंडीगढ़। ऊर्जा दक्षता को सुदृढ़ करने और संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए चंडीगढ़ प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश के सभी वातानुकूलित भवनों में एसी का तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस रखने के संबंध में परामर्श सह दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह पहल इंजीनियरिंग विभाग, यूटी चंडीगढ़ के अंतर्गत ऊर्जा प्रबंधन प्रकोष्ठ /स्टेट डिज़िग्नेटेड एजेंसी द्वारा की जा रही है, जो शहर में ऊर्जा दक्षता उपायों के क्रियान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। यह परामर्श ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 तथा विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जारी किया गया है। भवन क्षेत्र भारत की कुल विद्युत खपत का 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सा उपयोग करता है, जिसमें स्पेस कूलिंग की मांग का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संदर्भ में प्रशासन ने जिम्मेदार कूलिंग प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। बीईई के अनुमानों के अनुसार, एसी के तापमान में प्रत्येक 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से लगभग 6 प्रतिशत ऊर्जा की बचत संभव है। चूंकि अधिकांश एसी सामान्यतः 20-21 डिग्री सेल्सियस पर चलाए जाते हैं, ऐसे में तापमान को बढ़ाकर 24-25 डिग्री सेल्सियस करने से लगभग 24 प्रतिशत तक बिजली की बचत की जा सकती है, बशर्ते उचित आर्द्रता नियंत्रण और वायु प्रवाह बनाए रखा जाए, जिससे उपयोगकर्ताओं की सुविधा भी प्रभावित न हो। ये दिशा-निर्देश सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, बोर्डों, निगमों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों तथा हवाई अड्डों, होटलों, शॉपिंग मॉल, कार्यालयों और अन्य बड़े भवनों पर लागू होंगे। कूलिंग सिस्टम के संचालन एवं रखरखाव से जुड़े अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आरामदायक इनडोर परिस्थितियों को बनाए रखते हुए इनका अनुपालन सुनिश्चित करें। हालांकि, जिन संस्थानों में विशेष तापमान की आवश्यकता होती है, जैसे स्वास्थ्य संस्थान, ऑपरेशन थिएटर, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां तथा डेटा सेंटर, उन्हें इस परामर्श से छूट प्रदान की गई है। इस पहल के माध्यम से चंडीगढ़ प्रशासन ने ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने, बिजली की मांग घटाने और एक अधिक टिकाऊ एवं जलवायु-समर्थ शहरी वातावरण के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

यूआईडीएआई ने पंजाब में आधार सेवाएं बढ़ाई होशियारपुर, गुरदासपुर और जालंधर में नए आधार सेवा केंद्र स्थापित

चंडीगढ़। होशियारपुर, गुरदासपुर व जालंधर में नए आधार सेवा केंद्रों (एएसके) शुरू करके, यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई), क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने पंजाब में सेवा वितरण नेटवर्क को मजबूत किया है। ये नवीनतम आधार सेवा केंद्र नागरिक सुविधा बढ़ाने व आधार संबंधी सेवाओं के सहज वितरण सुनिश्चित करने हेतु हैं। निवासी आधार नामांकन, नाम, पता व जन्म तिथि जैसे जनसांख्यिकीय विवरणों के अपडेट के साथ-साथ बायोमेट्रिक अपडेट अधिक बेहतर व आसान तरीके से प्राप्त कर सकते हैं। इन केंद्रों के जुड़ने से यूआईडीएआई निवासियों, विशेषकर नजदीकी कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए पहुंच सुधारने व यात्रा समय घटाने की प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है। केंद्र आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षित स्टाफ व सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं से सुसज्जित हैं ताकि न्यूनतम प्रतीक्षा समय व सुगम सेवा अनुभव सुनिश्चित हो। मानकीकृत व नागरिक हितैषी वातावरण बनाकर, मौजूदा केंद्रों पर भीड़ घटाकर व अनुरोधों के तेज प्रसंस्करण सुनिश्चित करके, इन एएसके की स्थापना सेवा वितरण की समग्र गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाने की उम्मीद है। यह आधार सेवाओं में पारदर्शिता व विश्वसनीयता भी बढ़ाएगा। इसके अलावा, ये केंद्र वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व दिव्यांग व्यक्तियों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए आधार सेवाओं को आसानी से सुलभ बनाकर व्यापक समावेशन को बढ़ावा देंगे। बेहतर पहुंच सुगमता अधिक निवासियों को आधार विवरण अद्यतन रखने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जिससे विभिन्न सरकारी व वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच संभव होगी। यूआईडीएआई पंजाब के निवासियों को अपने नामांकन और अपडेट संबंधी जरूरतों के लिए इन आधार सेवा केंद्रों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने साथ वैध सहायक दस्तावेज रखें, और अतिरिक्त सुविधा के लिए वे ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी बुक कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए, निवासी यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं या अपने निकटतम आधार सेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

पीएमश्री केवी आईटीबीपी भानु ने बड़े उत्साह के साथ मनाया पुरस्कार वितरण समारोह

पंचकूला। प्रधानाध्यापिका श्रीमती मोनिका कौशिक के नेतृत्व में पीएमश्री केवी आईटीबीपी भानु ने अपना पुरस्कार वितरण समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में डीआईजी आईटीबीपी श्री राणा युद्धवीर सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ा दी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत गीत के साथ हुआ, जिसके बाद प्रकृति के प्रति विद्यालय के सम्मान का प्रतीक हरित स्वागत किया गया। छात्रों को अकादमिक, हैकाथॉन, प्रेरणा पुरस्कार, क्षेत्रीय खेल, कला और राजभाषा पुरस्कार में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया, वहीं सहायक कर्मचारियों को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एक जीवंत हरियाणवी लोक नृत्य ने क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया। प्रधानाध्यापिका सुश्री मोनिका कौशिक ने अनुशासन और सर्वांगीण विकास पर अपने संबोधन से उपस्थित लोगों को प्रेरित किया और अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। मुख्य अतिथि डीआईजी श्री राणा युद्धवीर सिंह ने छात्रों को कड़ी मेहनत के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। समारोह का समापन धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें उपलब्धि और एकता दोनों का जश्न मनाया गया।

इग्नू में जुलाई 2026 सत्र के लिए 30 जून, 2026 तक पुनः पंजीकरण शुरू

पंचकूला। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2026 सत्र के सभी ऑनलाइन और ओपन लर्निंग कार्यक्रमों के लिए पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक छात्र जुलाई 2026 सत्र के लिए अपना ऑनलाइन पुनः पंजीकरण फॉर्म 30 जून, 2026 तक जमा कर सकते हैं। इग्नू के चंडीगढ़ क्षेत्रीय केंद्र के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि इच्छुक आवेदक इग्नू की वेबसाइट ६६६.ल्लङ्म४ं.ल्ल पर उपलब्ध ऑनलाइन लिंक के माध्यम से पुनः पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूर्ण होने पर सिविल डिफेन्स वॉलंटियर्स के दूसरे बैच के नामांकन अभियान की घोषणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर चंडीगढ़ प्रशासन ने सिविल डिफेन्स वॉलंटियर्स के दूसरे बैच के नामांकन अभियान की घोषणा की है। यह पहल केंद्र शासित प्रदेश में आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली तथा आपदा प्रबंधन क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्ष 2025 में सिविल डिफेन्स वॉलंटियर्स के प्रथम बैच का गठन किया गया था, जिसमें कुल 419 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया। इन स्वयंसेवकों ने महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान, चंडीगढ़ में 7 दिवसीय सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। प्रशिक्षण में प्रायोगिक सत्र, शारीरिक दक्षता परीक्षण, लिखित परीक्षाएं तथा मॉक ड्रिल शामिल थीं। प्रशिक्षण फायर विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल तथा

पश्चिमी कमान, भारतीय सेना के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में आपदा प्रतिक्रिया, प्राथमिक उपचार, बचाव कार्य, निकासी प्रक्रियाएं, यातायात प्रबंधन, संकट संचार तथा अग्निशमन के मूलभूत उपाय शामिल रहे। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर स्वयंसेवकों को सिविल डिफेन्स वर्दी एवं बेरेट प्रदान किए गए। सिविल डिफेन्स की संगठनात्मक संरचना में चीफ वार्डन, डिप्टी चीफ वार्डन, डिविजनल वार्डन, डिप्टी डिविजनल वार्डन, पोस्ट वार्डन, डिप्टी पोस्ट वार्डन तथा सेक्टर वार्डन शामिल हैं। सिविल डिफेन्स वॉलंटियर्स के दूसरे बैच के लिए नामांकन अभियान 8 मई 2026 को दोपहर 12:00 बजे से महिला भवन, सेक्टर 38-सी, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर माननीय प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़, श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन एवं सिविल डिफेन्स की उपलब्धियों पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया जाएगा तथा दूसरे बैच के स्वयंसेवकों का औपचारिक नामांकन किया जाएगा। नामांकन हेतु अभ्यर्थी भारतीय नागरिक होना चाहिए, जिसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा जो शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो और निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए इच्छुक हो। चंडीगढ़ प्रशासन ने नागरिकों से इस पहल में सक्रिय भागीदारी करने तथा सार्वजनिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में योगदान देने का आान किया है।

चंडीगढ़ में टीबी मुक्त भारत - 100 दिवसीय अभियान के तहत समेकित स्थलों पर आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार के टीबी मुक्त भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप तथा टीबी मुक्त भारत अभियान - 100 दिवसीय अभियान गांव-गांव, शहर-शहर के अंतर्गत, चंडीगढ़ में विभिन्न समेकित (कंजिग्रेट) स्थलों पर आयुष्मान आरोग्य शिविरों की श्रृंखला का सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से अभियान के जन-जागरूकता संदेश को सशक्त रूप से आगे बढ़ाया गया। यह पहल 10/04/2026 से 04/05/2026 के दौरान वृद्धाश्रमों, नारी निकेतन, स्नेहालयों तथा [illegible] जैसी संस्थाओं में रह रहे संवेदनशील एवं उच्च जोखिम वाले समूहों को कवर करने पर केंद्रित रही। इन शिविरों का उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके शीघ्र पहचान को सुनिश्चित करना था।

शिविरों के दौरान प्रतिभागियों को टीबी के लक्षणों, इसके प्रसार के तरीकों तथा भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क जांच एवं उपचार सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, सामाजिक कलंक को कम करने और समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। उन्नत तकनीकी साधनों का उपयोग करते हुए, पोर्टेबल डिजिटल चेस्ट एक्स-रे यूनिट के माध्यम से स्थल पर ही स्क्रीनिंग की गई, जिससे संभावित टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान संभव हो सकी। स्क्रीनिंग के दौरान चिन्हित व्यक्तियों की आगे जांच कार्ट्रिज-आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट तकनीक द्वारा की गई, जिससे उच्च सटीकता के साथ रोग की शीघ्र पुष्टि सुनिश्चित हुई। इस समेकित निदान प्रणाली के माध्यम से मरीजों को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत त्वरित उपचार सेवाओं से जोड़ा गया।

प्रतिभा | **डॉ. प्रिया चड्ढा द्वारा निर्देशित डॉक्यूमेंट्री को दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल में मिली सराहना**

एसडी कॉलेज की डॉक्यूमेंट्री निर्मला ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया चंडीगढ़ का मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की ओर से तैयार की गई डॉक्यूमेंट्री 'निर्मला' को नई दिल्ली 16वें दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल 2026 में ₹ऑनरेबल जूरी मेंशन₹ अवॉर्ड मिला है। यह सम्मान नई दिल्ली में आयोजित किए गए एक समारोह में दिया गया। दुनिया भर के करीब 145 देशों से मिली 700 से ज्यादा एंट्रीज में से चयनित इस डॉक्यूमेंट्री का मूल्यांकन 7 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय जूरी तथा 8 सदस्यीय चयन पैनल द्वारा किया गया। फिल्म का परीक्षण नौ विभिन्न मानकों पर किया गया, जिनमें प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित थे।

इंटरनेशनल जूरी में अमेरिकन और यूक्रेनी फिल्म डायरेक्टर गेनाडी ओमेलियानियुक, अमेरिकन और इंडियन फिल्म डायरेक्टर पीयूष ठाकुर, साउथ कोरियन फिल्ममेकर फिल-जू जंग, इंडियन फिल्म डायरेक्टर संतोष कल्लट, ब्राजीलियन डायरेक्टर जोआओ अमोरिम, मलेशियन डायरेक्टर एस. ऋषिकेश और नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्म डायरेक्टर जीएल भारद्वाज शामिल थे। यह सम्मान मशहूर शिक्षाविद और मीडिया व्यक्तित्व डॉ. संदीप मारवाह ने दिया। डॉ. मारवाह को एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन (एएएफटी) के फाउंडर और प्रेसिडेंट, इंटरनेशनल चैंबर ऑफ मीडिया एंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के प्रेसिडेंट, फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट, नोएडा फिल्म सिटी के फाउंडर और ब्रिक्स+ फैशन एंड लाइफस्टाइल के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इंटरनेशनल पहचान भी मिली है।

कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार द्वारा निर्मित तथा विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा की परिकल्पना, पटकथा और निर्देशन में बनी डॉक्यूमेंट्री निर्मला पवित्र गंगा की ऐतिहासिक यात्रा, उसके संघर्षों और उसकी आध्यात्मिक चेतना को अत्यंत संवेदनशील और कलात्मक ढंग से प्रस्तुत करती है। यह डॉक्यूमेंट्री माँ गंगा की ऐतिहासिक यात्रा, उसके संघर्षों और उसकी आध्यात्मिक चेतना को अत्यंत संवेदनशील एवं कलात्मक ढंग से प्रस्तुत करती है तथा पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश देती है। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने डॉ. प्रिया चड्ढा और पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि 16वें दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल 2026 में मिला ₹ऑनरेबल जूरी मेंशन₹ इस बात का सबूत है कि कॉलेज की मजबूत एकेडमिक नींव सामाजिक सरोकारों से जुड़े सार्थक मीडिया क्रिएशन के साथ लगातार आगे बढ़ रही है।

डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि निर्मला केवल एक डॉक्यूमेंट्री नहीं, बल्कि माँ गंगा के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म समाज को पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी का स्मरण कराती है तथा दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल 2026 में इस कृति को ₹ऑनरेबल जूरी मेंशन₹ मिलना उनके लिए विनम्रता और गर्व का क्षण है।

फिल्म में नैरेटर की भूमिका निभाने वाले और स्क्रीनप्ले लिखने में सहयोग करने वाले कॉलेज स्टूडेंट आदी कट्टूयान ने कहा कि जीजीडीएसडी कॉलेज और डॉ. प्रिया चड्ढा के मार्गदर्शन में इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है।

वहीं अर्ज, जिन्होंने डॉक्यूमेंट्री के गीत लेखन में योगदान दिया, ने इसे अपने जीवन का समृद्ध और प्रेरणादायी अनुभव बताया।